हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 86, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 23 सितम्बर, 2023 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

जब पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार होती है, तो देश बड़े पड़ाव पार करता है

महिला आरक्षण विधेयक के पारित होने पर बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। ऐतिहासिक महिला आरक्षण विधेयक के संसद से पारित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने पार्टी की महिला कार्यकताओं का अभिवादन किया। उन्होंने महिला कार्यकताओं के पैर भी छुए। इसके बाद महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने पीएम मोदी का अभिनंदन किया। इस कार्यक्रम में भाजपा की सभी महिला सांसद, दिल्ली की सभी महिला पार्षद व अन्य महिला जन प्रतिनिधियों की मौजूदगी रही। इस दौरान पीएम मोदी ने कार्यकताओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि मैं आज देश की हर माता को, बहन को, बेटी को बहुत-बहुत बधाई देता हूं। कल और परसो हम सबने एक नया इतिहास बनते देखा है। हम सबका सौभाग्य है कि ये इतिहास बनाने का अवसर कोटि-कोटि जनों ने हमें दिया है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का दोनों सदनों से पास होना, इस बात का भी साक्षी है कि जब पूर्ण बहुमत वाली स्थिर सरकार होती है, तो देश कैसे बड़े फैसले लेता है, बड़े पड़ावों को पार करता है।

उन्होंने कहा कि आने वाली अनेकों पीढ़ियों तक इस निर्णय और इस दिवस की चर्चा होगी। मैं पूरे देश को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद के दोनों सदनों में भारी बहुमत से पारित होने की बहुत बहुत बधाई देता हूं। कभी-कभी किसी निर्णय में देश के भाग्य को बदलने की क्षमता होती है। आज हम सभी ऐसे ही एक निर्णय के साक्षी बने हैं। संसद के दोनों सदनों द्वारा 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' रिकॉर्ड मतों से पारित किया जा चुका है। जिस बात का देश को पिछले कई दशकों से इंतजार था, वो सपना अब सच हुआ है।

'जब पूर्ण बहुमत की सरकार होती है, तो ऐसे ही मतबूत निर्णय लिए जाते हैं'- पीएम मोदी ने कहा कि जब पूर्ण बहुमत की सरकार होती है, तो ऐसे ही मतबूत निर्णय लिए जाते हैं। उन्होंने महिला मतदाताओं को इसका श्रेय देते हुए कहा कि हमारी माताओं-बहनों ने भाजपा को पूरा समर्थन दिया। बढ़चढ़कर मतदान में हिस्सा लिया और भाजपा को मजबूती के साथ सत्ता में आने का मौका दिया।

ये हमारे लिए गर्व का विषय- उन्होंने कहा कि आज हर नारी का आत्मविश्वास आसमान छू रहा है। पूरे देश की माताएं, बहनें और बेटियां आज खुशी मना रही हैं, हम सबको आशीर्वाद दे रही हैं। कोटि-कोटि माताओं, बहनों के सपने को पूरा करने का सौभाग्य हमारी भाजपा सरकार को मिला है। इसलिए राष्ट्र को सर्वप्रथम मानने वाली पार्टी के रूप में, भाजपा कार्यकर्ता के रूप में, एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में ये हमारे लिए गर्व का विषय है।

भारत की नई लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष- उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम कोई सामान्य कानून नहीं है। ये नए भारत की नई लोकतांत्रिक प्रतिबद्धता का उद्घोष है। ये अमृतकाल में सबका प्रयास से विकसित भारत के निर्माण की तरफ बढ़ा कदम है।

हमारा कमिटमेंट था, पूरा करके दिखाया- पीएम मोदी ने कहा, 'लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी के लिए, इस कानून के लिए भाजपा तीन दशक से प्रयास कर रही थी। ये हमारा कमिटमेंट था। इसे हमने पूरा करके दिखाया है।'

वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध घोषित करने की मांग, अक्तूबर के मध्य में होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह वैवाहिक दुष्कर्म के मामले पर अक्तूबर के मध्य में सुनवाई करेगा। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं, जिनमें एक अहम कानूनी सवाल उठाया गया है। अगर कोई व्यक्ति अपनी बालिग पत्नी से जबरन शारीरिक संबंध बनाता है तो उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला नहीं चलाया जा सकता। याचिकाओं में इस कानूनी प्रावधान को चुनौती दी गई है। वकील करुणा नंदी ने कोर्ट में सबमिशन दिया कि वैवाहिक दुष्कर्म से संबंधित याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की जाए। इस सबमिशन पर नोटिस लेते हुए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने बताया कि वह इन याचिकाओं को अक्तूबर के मध्य में सुनवाई के लिए लिस्ट करेंगे। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि 'फिलहाल हम संविधान पीठ की सुनवाई कर रहे हैं और संविधान पीठ की सुनवाई के बाद इसे लिस्ट किया जाएगा।' इससे पहले वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह ने भी इन मामलों पर जल्द सुनवाई की अपील की थी। बता दें कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 375 में एक अपवाद खंड है, जो पति को अपनी बालिग पत्नी के साथ गैर-सहमति से यौन संबंध बनाने की स्थिति में दुष्कर्म का मुकदमा चलाने से छूट देता है।

भारत का चीन को मुंहतोड़ जवाब, खेल मंत्री का दौरा रद्द, खिलाड़ियों को वीजा नहीं देने का मामला गरमाया

नई दिल्ली। हांगझोऊ एशियाई खेलों से पहले भारत और चीन के बीच विवाद बढ़ गया है। दरअसल, खेलों से पहले चीन की एक नापाक हरकत सामने आई। उसने हांगझोऊ एशियाई खेलों के लिए अरुणाचल प्रदेश के तीन वूशु खिलाड़ियों को अंतिम क्षणों में वीजा नहीं दिया। ये वही तीन खिलाड़ी हैं, जिनके साथ चीन में कुछ महीने पहले हुए यूनिवर्सिटी गेम्स में भी चीन सरकार द्वारा बदसलूकी की गई थी और उन्हें नत्थी वीजा दिया गया था। अब फिर से इन तीनों को चीन ने सामान्य वीजा जारी नहीं किया। ऐसे में ये तीनों भारत की वूशु टीम के साथ हांगझोऊ रवाना नहीं हो सके। अब यह मामला गरमा गया है। भारत ने चीन को मुंहतोड़ जवाब दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि भारत के खेल मंत्री अनुराग ठाकुर पहले एशियाई खेलों के लिए चीन का दौरा करने वाले थे, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। एशियाई खेलों का आधिकारिक आगाज 23 सितंबर को होगा।

खेल मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) बुधवार को इन खिलाड़ियों के वीजा के प्रयास में लगे रहे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। एक खिलाड़ी को एयरपोर्ट से ही वापस लौटना पड़ा। सूत्र बताते हैं कि खेल मंत्रालय, आईओए ने इन तीनों खिलाड़ियों को वीजा जारी करने के लिए आयोजन समिति से बात की तो उनसे कहा गया कि इन खिलाड़ियों को नत्थी वीजा जारी होगी। इसके लिए खेल मंत्रालय तैयार नहीं था। ऐसे में तीनों अरुणाचल प्रदेश के खिलाड़ी तेगा ओनिलु, लामगु मेपुंग और वांगसू न्येमान टीम के साथ नहीं जा पाए।

बाकी टीम, जिसमें 10 खिलाड़ी और थे, हांगझोऊ के लिए रवाना हो गई। इससे पहले भी 26 जुलाई को विश्व यूनिवर्सिटी खेलों के लिए इन्हीं तीनों खिलाड़ियों को चीन ने नत्थी वीजा जारी कर दिया था। इसके विरोध में भारत सरकार ने पूरी वूशु टीम को एयरपोर्ट से वापस बुला लिया था। वांग्सू न्येमान को तो इंदिरा गांधी एयरपोर्ट से वापस लौटना पड़ा। उनके पास एशियाई खेलों की आयोजन समिति से जारी एक्रिडिटेशन (मान्यता कार्ड) भी था। खिलाड़ियों को एक्रिडिटेशन पर ही वीजा जारी किया गया है। वांगसू को एयरपोर्ट पर एयरलाइंस ने बताया कि वह केवल हांगकांग तक जा सकती हैं। उससे आगे का उनका वीजा नहीं है। तेगा और मेपुंग के अलावा सूरज को एशियाई खेलों की आयोजन समिति ने ई एक्रिडिटेशन जारी किया था। जब इन खिलाड़ियों ने अपना एक्रिडिटेशन कंप्यूटर से निकालना चाहा तो वांगसू, तेगा और मेपुंग के कार्ड नहीं आए, जबकि सूरज को वीजा जारी कर दिया गया। सूत्र बताते हैं कि इनको कार्ड दिलाने के लिए भरसक प्रयास किए गए। एक बार जब एथलीटों को आयोजन समिति से एक्रिडिटेशन कार्ड (मान्यता कार्ड) प्राप्त हो गए, तो इसका मतलब था कि उन्हें एशियाई खेलों के लिए यात्रा करने की मंजूरी मिल गई। आश्चर्य की बात यह है कि केवल ये तीन खिलाड़ी ही अपना दस्तावेज डाउनलोड नहीं कर सके और वे फ्लाइट में नहीं चढ़ सके।

लोकसभा में भाजपा सांसद के बर्ताव को लेकर आम आदमी पार्टी ने केंद्र सरकार को घेरा, हर्षवर्धन ने दी सफाई

नई दिल्ली। भाजपा के सांसद रमेश बिधूड़ी ने लोकसभा में बसपा के सांसद दानिश अली के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया। जिसके बाद भाजपा को आलोचना का सामना करना पड़ रह है। कांग्रेस से लेकर टीएमसी और आप ने इस बयान को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। भाजापा सांसद के लिए राजनाथ सिंह को खेद जताना पड़ा है। विपक्ष की तरफ से लोकसभा स्पीकर से रमेश बिधूड़ी पर कार्रवाई की मांग की गई है।

आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आम आदमी पार्टी ने भाजपा को घेरा है। आम आदमी पार्टी ने कहा कि जब रमेश बिधूड़ी अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे तो दिल्ली से भाजपा के दूसरे सांसद हर्षवर्धन जोर-जोर से हंस रहे हैं। दरअसल, चंद्रयान -3 की सफलता पर रमेश बिधूड़ी बोल रहे थे। इसी बीच बसपा सांसद दानिश अली ने टिप्पणी की। जिसके बाद

भड़के भाजपा सांसद ने बसपा सांसद के खिलाफ आपत्तिजनक और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया। डॉक्टर हर्षवर्धन ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि लोगों ने मुझे इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में घसीटा जा रहा है। दो सांसद सदन में एक-दूसरे के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल कर रहे थे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह पहले ही दोनों पक्षों द्वारा ऐसी अनुचित भाषा के प्रयोग की निंदा कर चुके हैं। मैं अपने मुस्लिम दोस्तों से पूछता हूं जो आज सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ लिख रहे हैं, क्या वे वास्तव में मानते हैं कि मैं कभी भी ऐसी अपमानजनक भाषा के इस्तेमाल में भागीदार बन सकता था, जो किसी एक समुदाय की संवेदनाओं को ठेस पहुंचाती है? मेरी छवि खराब करने के लिए ऐसा किया जा रहा है। तीस वर्षों के सार्वजनिक जीवन में, मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के लाखों मुस्लिम भाइयों और बहनों के साथ-साथ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के सहयोगियों के साथ मिलकर काम किया है।

फ्रांसीसी पर्यटक की मौत पर अखिलेश का सवाल- कहां है सरकार, बोले- तार-तार हो रही देश और प्रदेश की छवि

आगरा। फतेहपुर सीकरी में फ्रांसीसी महिला पर्यटक की मौत के मामले में जहां स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही सामने आ रही है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर हमला बोला है। ट्वीट करते हुए अखिलेश यादव ने लिखा है कि प्रदेश सरकार कहां है? फतेहपुर सीकरी स्मारक में फ्रांसीसी महिला पर्यटक अस्मा एक घंटे तक एंबुलेंस के इंतजार में तड़पती रही। दोपहर 12.45 पर हादसा हुआ। एक घंटे बाद करीब 1:45 बजे सरकारी एंबुलेंस पहुंची। एक घंटा फतेहपुर सीकरी से आगरा आने में लगा। पहले एसएन इमरजेंसी ले गए। यहां से अपराह्न 3:45 बजे सिकंदरा हाईवे स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने अस्मा को मृत घोषित कर दिया। विश्वदाय स्मारक में आकस्मिक स्थिति में पर्यटकों के लिए एंबुलेंस सुविधा नहीं मिली। पति मदद के लिए चिल्लाता रहा। सिर में गंभीर चोट लगने के बाद एक घंटे तक एंबुलेंस के इंतजार में अस्मा स्मारक में फर्श पर पड़ी तड़पती रही। बिचपुरी से एंबुलेंस भेजी गई, उसे भी पहुंचने में एक घंटा लगा। अस्पताल पहुंचने में जैसे-जैसे देर हो रही थी, पर्यटक की जान उतने ही खतरे में जा रही थी। अंत में वो हुआ, जिसने विदेशी पर्यटक को झकझोर कर रख दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला

पर्यटक की मौत को लेकर अखिलेश यादव ने ट्वीट किया है, जिसमें लिखा है कि ' उप्र के फतेहपुर सीकरी में एंबुलेंस उपलब्ध न होने की वजह से किसी विदेशी मूल के मेहमान की जान चली जाना बेहद दुखद खबर है। श्रद्धांजलि! आगे लिखा है कि 'इन खबरों से देश-प्रदेश की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तार-तार हो जाती है। आखिर प्रदेश सरकार कहां है?

सांसद के बिगड़े बोल, लोस स्पीकर ने दी चेतावनी विपक्ष के हंगामे के बाद राजनाथ ने मांगी माफी

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को लोकसभा में भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी की आपत्तिजनक भाषा पर माफी मांगी है। दरअसल चंद्रयान-3 मिशन पर एक चर्चा के दौरान दिल्ली से भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी ने बसपा सांसद कुंवर दानिश अली के विरुद्ध ऐसी आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया कि विपक्ष ने हंगामा कर दिया। कांग्रेस ने मांग की है कि रमेश बिधूड़ी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी रमेश बिधूड़ी को चेतावनी दी है और उन्हें सदन में मर्यादित भाषा का इस्तेमाल करने को कहा है। दरअसल संसद में कार्यवाही के दौरान भाजपा सांसद रमेश बिधूड़ी चंद्रयान-3 मिशन और इसरो की सफलता पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी की सरकार की तारीफ की। जिस पर बसपा सांसद कुंवर दानिश अली ने रमेश बिधूड़ी के संबोधन के बीच उठकर कुछ सवाल उठाए। इसके

बाद भाजपा सांसद ने अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हुए इस पर अपनी नाराजगी जताई।

भाजपा सांसद के बयान पर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मांग की कि रमेश बिधूड़ी को सदन से निलंबित कर देना चाहिए। वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 'अगर उन्होंने आतंकवादी कहा है तो हमें इसकी आदत है। इन शब्दों का इस्तेमाल पूरे मुस्लिम समुदाय के खिलाफ किया गया था। मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि भाजपा से जुड़े मुस्लिम इसे कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं? इससे पता चलता है कि वह हमारे बारे में क्या सोचते हैं? उन्हें शर्म आनी चाहिए।' राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि 'उन्हें रमेश बिधूड़ी के बयान से दुख हुआ है लेकिन वह हैरान नहीं हैं। प्रधानमंत्री के वसुधैव कुटुंबकम का यही सच है। हमें इस बारे में सोचने की जरूरत है अगर ऐसे शब्द देश की संसद में किसी सांसद द्वारा इस्तेमाल किए गए तो देश के मुस्लिमों, दलितों के खिलाफ किस तरह की भाषा को वैधता दी गई है? अभी तक पीएम मोदी ने रमेश बिधूड़ी को लेकर एक शब्द नहीं कहा है।' भाजपा सांसद की अमर्यादित भाषा पर विपक्षी सांसदों ने आपत्ति जताई। विपक्ष के हंगामे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने भाजपा सांसद की बातों को नहीं सुना लेकिन आसन से अपील की कि अगर टिप्पणी से विपक्षी सदस्य नाराज हैं तो इन शब्दों को कार्यवाही से हटा दिया जाए। इसके बाद राजनाथ सिंह ने सांसद के बयान पर माफी मांगी।

अयोध्या की घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को मिलेगा एक लाख का पुरस्कार : प्रशांत कुमार

लखनऊ। स्पेशल डीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा कि अयोध्या की घटना का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को एक लाख रुपए पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने बताया कि थाना पूराकलंदर के छतरिवा पारा कैल मार्ग पर मुठभेड़ में सरयू एक्सप्रेस में महिला मुख्य आरक्षी पर हमले के मामले में पुलिस ने एक अपराधी अनीस को मुठभेड़ में ढेर कर दिया गया। एसटीएफ और अयोध्या पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन के दौरान एनकाउंटर में अपराधी नसीम ढेर हुआ है। उसके दो अन्य साथी भी घायल हुए हैं। मुठभेड़ में एसओ पुराकलंदर रतन शर्मा व दो अन्य सिपाही के भी घायल हुआ है। इसी मामले में थाना इनायत नगर से दो अन्य आरोपियों को भी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। मनकापुर से प्रयागराज जाने वाली सरयू एक्सप्रेस में 30 अगस्त की सुबह एक महिला मुख्य आरक्षी खून से लथपथ मिली थी। उसके चेहरे, माथे व गले पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के निशान थे। साथ ही वह उसके कपड़े भी अस्त-व्यस्त थे। जीआरपी ने उसे घायल अवस्था में

श्रीराम चिकित्सालय पहुंचाया था, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया था। इस मामले में शुक्रवार यानी आज यूपी एसटीएफ और अयोध्या पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में मुख्य आरोपी अनीस ढेर हो गया। जबकि उसके दो साथी एनकाउंटर में घायल हो गए हैं। सरयू एक्सप्रेस की जिस बोगी में आरोपी सवार हुए तो उसमें महिला मुख्य आरक्षी के अलावा दो साधू बैठे थे। महिला आरक्षी अपना बैग सिरहाने रखकर नींद में थीं। उसे देखकर अनीस और उसके साथियों ने उसके पास जाकर छेड़खानी शुरू कर दी। विरोध करने पर अनीस ने उसके गाल पर ब्लेड से हमला किया और उसका सिर कई बार खिड़की से लड़ा दिया।

राहुल गांधी ने महिला आरक्षण में बताई दो कमियां, बोले- यह जातीय जनगणना से ध्यान हटाने की कोशिश

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण विधेयक की कमियां गिनाईं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार जातीय जनगणना से ध्यान हटाना चाहती है। बता दें कि महिला आरक्षण विधेयक नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा और राज्यसभा से पास हो गया है। इस आरक्षण के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। हालांकि इसे लागू होने में अभी कई साल लगेंगे क्योंकि पहले जनगणना होगी और जनगणना के बाद सीटों का परिसीमन होगा। ऐसे में माना जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव तक यह संभव नहीं है तो हो सकता है कि 2029 के लोकसभा चुनाव में ही यह आरक्षण लागू हो सके। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस विधेयक को अधूरा बताते हुए इसमें ओबीसी आरक्षण को शामिल करने की मांग की। राहुल गांधी ने कहा कि बिल को लागू करने के लिए जनगणना और परिसीमन की जरूरत नहीं है और इस बिल को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि 'सदन में महिला आरक्षण बिल लाया गया। बिल में दो चीजें संबंधित पाई गईं जिनमें एक की महिला आरक्षण से पहले जनगणना होगी और दूसरा परिसीमन करना होगा और इन दोनों को करने के लिए कई साल लगेंगे। महिला आरक्षण आज किया जा सकता है लेकिन सरकार यह

करना नहीं चाहती है। सच्चाई यह है कि यह आज से 10 साल के बाद लागू होगा। डाइवर्जन डइउ सेंसस से हो रहा है।' राहुल गांधी ने मांग की है कि महिला आरक्षण विधेयक में ओबीसी आरक्षण को लागू किया जाए। उन्होंने सवाल करते पूछा कि देश को चलाने वाले संस्थान, संसद में कैबिनेट सचिव और सचिव सरकार चलाते हैं, मैंने पूछा कि 90 में से सिर्फ तीन अधिकारी ही क्यों ओबीसी वर्ग से हैं! पीएम मोदी हर दिन ओबीसी की बात करते हैं लेकिन उन्होंने ओबीसी वर्ग के लिए क्या किया है? राहुल गांधी ने कहा कि आप किस चीज से ध्यान भटकाना चाहते हैं? ओबीसी गणना से।

'यह ध्यान भटकाने वाली राजनीति'- राहुल गांधी ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक बढ़िया है लेकिन हमें दो फुटनोट मिले कि जनगणना और परिसीमन पहले करने की जरूरत है। इन दोनों कामों में कई साल लगेंगे। सच तो ये है कि आरक्षण आज ही लागू हो सकता है...यह कोई जटिल मामला नहीं है। राहुल गांधी ने सवाल उठाते हुए कहा कि कोई नहीं जानता कि ये लागू होगा भी या नहीं। यह ध्यान भटकाने वाली राजनीति है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार द्वारा लाए गए महिला आरक्षण विधेयक की कमियां गिनाईं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार जातीय जनगणना से ध्यान हटाना चाहती है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण विधेयक लागू होने में अभी लंबा समय लगेगा और इसमें 10 साल भी लग सकते हैं।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवादः मस्जिद के वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग वाली अर्जी पर विचार से 'सुप्रीम' इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि में वैज्ञानिक सर्वेक्षण की मांग वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। याचिका में शाही ईदगाह मस्जिद का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से मस्जिद के सर्वेक्षण पर फैसला लेने को कहा। दरअसल, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी के विवाद में एक याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट की ओर से दाखिल इस याचिका में ज्ञानवापी की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि के वैज्ञानिक सर्वे की मांग रखी गई थी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय निवासी गोविंद नगर, मथुरा की ओर से सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता सार्थक चतुर्वेदी ने याचिका पेश की थी। इसमें विवादित भूमि की पहचान, स्थान और माप की स्थानीय जांच की मांग की गई थी। इसमें दोनों पक्षों द्वारा किए गए दावों को प्रमाणित करने के लिए एक वैज्ञानिक सर्वे की आवश्यकता जताई गई थी। याचिका ज्ञानवापी मस्जिद में चल

रहे एएसआई सर्वे के आधार पर दाखिल की गई है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि इस तरह के निर्माण को मस्जिद नहीं माना जा सकता। 1968 में हुआ समझौता दिखावा और धोखाधड़ी है। इसमें प्रतिवादी शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति है। याचिका में संपत्ति पंजीकरण में विसंगतियों के बारे में भी चिंता जताई गई है।

संपादकीय

कावेरी जल बंटवारे को लेकर वर्षों से चल रहा विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा

कावेरी जल बंटवारे को लेकर वर्षों से चला आ रहा विवाद अब थम जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण एवं कावेरी जल नियमन समिति के उस आदेश में दखल देने से मना कर दिया है, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के लिए प्रति दिन पांच हजार घनमीटर पानी छोड़ने की बात कही गई है। तमिलनाडु ने सूखे का हवाला देते हुए बहत्तर सौ घनमीटर पानी मांगा था। समिति ने उसकी मांग को जायज तो माना, पर दूसरे राज्यों का भी खयाल रखते हुए पानी की मात्रा घटा कर पांच हजार घनमीटर कर दी। बाद में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने भी यही फैसला दिया। तमिलनाडु इस फैसले पर राजी है, लेकिन कर्नाटक में इसके खिलाफ असंतोष पैदा हो गया है। राज्यभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। कर्नाटक सरकार ने जिस प्रकार यह मुद्दा फिर केंद्र के समक्ष उठाया और अपने नागरिकों की नाराजगी का हवाला देकर प्रस्तावित पानी देने में असमर्थता जताई है, उससे यह विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा। दशकों से यही हो रहा है। दक्षिण की गंगा कही जाने वाली कावेरी के जल को चार राज्यों- कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुदुच्चेरी के बीच बंटवारे को लेकर समय-समय पर बैठकें हुईं, समितियां बनीं, उच्चतम न्यायालय द्वारा आदेश पारित हुए, पर विवादों का अंत नहीं हो पाया। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी जल विवाद आजादी से पहले से चला आ रहा है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने 1990 में कावेरी नदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया था। इस न्यायाधिकरण ने जैसे ही तमिलनाडु को पानी देने संबंधी फैसला सुनाया तो दंगे भड़क उठे, क्योंकि कर्नाटक ने इस निर्णय को अस्वीकार कर सर्वोच्च न्यायालय में इसे खारिज करने की मांग उठा दी। दोनों ही राज्यों के कई जिले सिंचाई के लिए कावेरी नदी के पानी पर निर्भर हैं। बंगलुरु शहर को पीने का पानी इसी से मिलता है। इसलिए यह मुद्दा दोनों ही राज्यों के लिए संवेदनशील बना हुआ है। वैसे, संघीय व्यवस्था वाले भारत में दो या अधिक राज्यों से होकर बहने वाली नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। जल संकट बड़ी समस्या है, ऐसे में हर राज्य चाहता है कि उसे अधिक से अधिक पानी मिले। यही वजह है कि कावेरी के अलावा कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, रावी, ब्यास और यमुना जैसी नदियों के पानी को लेकर विभिन्न राज्यों के बीच खींचतान अक्सर सुर्खियों में रहती है। महत्त्वाकांक्षी नदी जोड़ो परियोजना में इन विवादों से छुटकारा दिलाने की संभावना देखी गई थी, लेकिन यह परियोजना भी पिछले दो दशक में अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाई है। पानी को लेकर हिंसा, विरोध प्रदर्शन या राजनीतिक शह-मात से कुछ भी हासिल नहीं होने वाला। समस्या का समाधान एक-दूसरे से सहयोग और समन्वय में ही निहित है। ऐसे में संबंधित राज्यों को क्षेत्रीय स्वार्थों को हर हाल में त्यागना होगा। एक-दूसरे की जरूरत को ध्यान में रखते हुए स्थायी और व्यावहारिक समाधान तलाशना होगा। उच्चतम न्यायालय जब यह कह रहा है कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण एवं कावेरी जल नियमन समिति जैसी विशेषज्ञ संस्थाओं ने सूखे और कम बारिश जैसे सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विचार करने के बाद ही आदेश पारित किया है और दोनों प्राधिकरणों ने जिन तथ्यों पर गौर किया है, उन्हें अप्रासंगिक या असंगत कतई नहीं कहा जा सकता, तो फिर कर्नाटक को इस फैसले पर अमल से गुरेज क्यों करना चाहिए।

है मचा बवाल !

अमर्यादित शब्दों का ।
किया इस्तेमाल ।।
हुआ नोटिस जारी ।
है मचा बवाल ।।
कुछ लोगों ने ठाना है ।
करना नहीं सुधार ।।
मनमानी तो कर दिया ।
फिर दिखा इस बार ।।
हुआ ना असर ।
भले कोशिश लाख ।।
ना इसकी है चिंता ।
घटे भले ही साख ।।
लेकर के संज्ञान ।
खड़ा करें कतार ।।
बोलचाल की भाषा का ।
ये कैसा आधार ?
–कृष्णेन्द्र राय

नदियां हैं तो जल है... जल है तो कल है

सुरेश सिंह बैस

एक पुरानी कहावत है की नदियां सब कुछ बदल सकती हैं! गत वर्ष के नदी दिवस का थीम इसी वाक्य को लेकर रखा गया था। हर साल 25 सितंबर को विश्व नदी दिवस मनाया जाता है। भारत नदियों की धरती है। भारत और बांग्लादेश की नदियों को अगर मिलाकर आंकड़े देखें तो विश्व की सबसे अधिक नदियां यहीं बहती हैं। मान्यता है कि हिमालय की पहाड़ियों से बहने वाली सिंधु नदी से हमारी सभ्यता की शुरूआत हुई है।

यह वर्तमान की भयावह और कटु सत्य है कि बढ़ते हुए प्रदूषण की वजह से नदियों का जल दुषित प्रदूषित होता जा रहा है। प्रदूषण की वजह से जलवायु में भी परिवर्तन हुआ है। जलवायु चक्र भी गड़बड़ा गया है, जिसके कारण कई नदियां उथली होती जा रही हैं, सिकुड़ती जा रही हैं। विश्व नदी दिवस पर कई देश सहित लाखों लोग और कई अंतरराष्ट्रीय संगठन, नदियों के बचाव हेतु निरंतर अपना योगदान कर रहे हैं। बचाव के नए-नए साधन विकसित कर रहे हैं। इस दिन लोग संकल्प लेते हैं कि वे नदियों को प्रदूषित नहीं करेंगे और उन्हें प्रदूषित होने से हर संभव बचाएंगे। इसी कड़ी में गंगा को प्रदूषण से मुक्त कराने का हमारे केंद्र सरकार ने बीड़ा उठाया है। अब तो गंगा, नर्मदा, यमुना, गोदावरी सहित कई नदियों को प्रदूषण से बचाए जाने के लिए बड़ी-बड़ी योजनाएं बन रही है। और सुचारू रूप से कार्य भी आरंभ हो चुका है। यह मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत है। पुराणों में उल्लेख है कि विश्व की प्राचीन सभ्यतायें नदियों के किनारे ही विकसित हुई हैं। नदियां स्वच्छ जल का संवाहक होती हैं। एशिया महाद्वीप का हिमालय पर्वत पुरातन समय से नदियों का उद्गम स्त्रोत रहा है। गंगा, यमुना, सिंधु, झेलम, चिनाव, रावी, सतलज, गोमती, घाघरा, राप्ती, कोसी, हुबली तथा ब्रह्मपुत्र आदि सभी नदियों का उद्गम हिमालय से शुरू होकर हिन्द महासागर में जाकर अपनी गिरती है। विश्व नदी दिवस भारत का कोई अलग से कार्यक्रम नहीं है। पुराने लोगों द्वारा कहा जाता है, कि सालों पहले भारत की नदियां बारह मासी यानी बारहों माह बहने वाली होती थी, लेकिन अंधाधुंध पेड़ों की कटाई के कारण नदियों ने अपना अस्तिव खो दिया। वर्तमान में हालात यह है कि ग्रीष ऋतु में भारत की सभी नदियों का जल सूख जाता है।

इन नदियों का महत्व हमारे जीवन के लिए कहीं से भी कम नहीं है, क्योंकि यह नदियां बारहमासी रहती हैं। और मानव व जीव जंतुओं को पेयजल व सिंचाई व अन्य आवश्यकताओं के लिए उपलब्ध कराती हैं। इन नदियों के कारण जल भराव व बाढ़ की समस्याओं का भी एक तरह से निदान हो जाता है। नदियां अपने साथ पानी बहा कर सागर की ओर ले जाती हैं। बाढ़ की घटनाएं कम होती हैं। तो वही यह नदियां अन्य मौसम में जल से भरी रहने के कारण सूखे से लड़ने में मदद करती हैं। नदियों के ही वजह से तो भूजल का स्त्रोत कभी कम नहीं होता और भूजल फिर से भरने लगता है। यही नदियां ही है तो है जिनके वजह से वर्षा भी नियंत्रित रहती है, और सामान्य वर्षा का होना नदियों के वजह से ही नियंत्रित रहता है। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव कम होते हैं। मिट्टी का कटाव रुकता है। जल की गुणवत्ता में सुधार होता है। मिट्टी की गुणवत्ता बेहतर होती है। यह नदियां अपने निर्मल धवल अमृतुल्य जल के साथ जैव विविधता का भी सुरक्षा करती हैं। भारत के कई शहरों में उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थ को नदियों में ही छोड़ दिया जाता है। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में मौजूद चंबल नदी को ग्रेसिम उद्योग नागदा द्वारा प्रदूषित किया जा रहा है। नदी इस कदर प्रदूषण हो चुकी है कि नदी का पानी पीने योग्य नहीं बचा है। नदी के किनारे बसे गांव परमार खेड़ी में प्रति दस घर में एक सदस्य विकलांग है। गांव की आबादी नौ सौ है। गांव के सभी जलस्त्रोत प्रदूषित हो चुके है। प्रशासन ने जलस्त्रोतों को बंद कर खतरनाक घोषित कर दिया है।

सीपीसीबी की साल 2020 की रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीनदायिनी कही जाने वाली ये नदियां खुद खतरे में हैं। 521 नदियों के पानी की मॉनिटरिंग करने वाले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार देश की 198 नदियां ही स्वच्छ हैं। जो छोटी नदियां हैं। जबकि, बड़ी नदियों का पानी भीषण प्रदूषण की चपेट में है। 198 नदियां स्वच्छ पाई गईं हैं। इनमें ज्यादातर दक्षिण-पूर्व भारत की हैं। महाराष्ट्र में सिर्फ 7 नदियां ही स्वच्छ हैं, जबकि 45 नदियों का पानी प्रदूषित है। नदियों का जीवन अगर बचाना है तो उसका जल निर्बाध बहता रहे, जीवन उसका सुरक्षित रहे तो नदियों को छिछली (उथली) होने से बचाया जाना अति आवश्यक है। वहीं नदियों के किनारों पर सघन वृक्षारोपण किया जाये जिससे किनारों पर कटाव ना हो। नदियों का पानी गन्दा होने से बचायें, मसलन पशुओं को नदी के पानी मे जाने से रोकें। गांव व शहरों का घरेलू अनुपचारित पानी नदी में नही मिलने दे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला विद्यालयन यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न

प्रखर,मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में जिला विद्यालयन यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक के दौरान एआरटीओ सुहेल अहमद ने बताया कि स्कूली बच्चों के सुरक्षित आवागमन के लिए बनाई गई उत्तर प्रदेश मोटरयान नियमावली 2019 के समस्त उपबंधों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है एवं प्रत्येक वाहनो की जांच कराई जा रही है तथा जांच के दौरान अनफिट वालों के खिलाफ कार्यवाही भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि जनपद में संचालित 110 स्कूली वाहनों का फिटनेस खराब होने की स्थिति में उनके खिलाफ नोटिस भेजने की कार्यवाई की गई है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्कूली वाहनो का अभियान चला कर नियमित जांच करने तथा अनफिट होने की स्थिति में उनके खिलाफ नोटिस भेजने सहित अन्य कड़ी कार्रवाईया करने के निर्देश एआरटीओ को दिए। इस कार्य में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी। उन्होंने स्कूली वाहनों में मानक के अनुरूप बच्चों को लाने ले जाने एवम् निर्धारित सीट से अधिक बच्चों को वाहन में न बैठाने की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त विद्यालयों के प्रबंधकों को उनके विद्यालय में संचालित वाहनों की व्यवस्था इस प्रकार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि स्कूली वाहन में बच्चों को स्कूल आने-जाने में 1 घंटे से अधिक समय न लगे। जिलाधिकारी ने ई-रिक्शा के माध्यम से बच्चों को स्कूल जाने की अनुमति न होने पर इस पर रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्कूल बसों के चालकों को श्रम विभाग द्वारा निर्धारित मानक के क्रम में वेतन का भुगतान करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर, अपर जिलाधिकारी भानु प्रताप सिंह, एआरटीओ, जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा अधिकारी सहित समस्त संबंधित अधिकारी एवं स्कूलों के प्रबंधक उपस्थित रहे।

सखी वन स्टाप सेंटर परदहां में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत मनाया गया कन्या जन्मोत्सव

प्रखर,मऊ। जिला प्रोबेशन अधिकारी अनुज कुमार की अध्यक्षता में सखी वन स्टाप सेंटर परदहां में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना अंतर्गत कन्या जन्मोत्सव मनाया गया, जिसमे जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बच्चियों एवं उनकी माताओं के साथ मिलकर केक काटकर उनको सम्मानित करते हुए बच्चियों को बेबी किट, मीठाई, फुल माला के साथ उनका उत्साह वर्धन किया गया और साथ ही उनको मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में आवेदन करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा उन्होंने उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान जिला प्रवेश अधिकारी ने बताया कि बेटी के जन्म से लेकर उसके विवाह तक सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही हैं बस जरूरत है तो योजना के बारे में जानकारी करने की। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना अब महिलाओं के लिए वरदान साबित हो रहा है इस योजना के तहत पहली बार महिला के गर्भवती होने पर महिलाओं को देखभाल व पौष्टिक आहार के लिए तीन किस्तों में ?5000 दिए जाते हैं। लाभार्थियों को इस योजना का लाभ पाने के लिए मुख्य रूप से मातृत्व शिशु सुरक्षा कार्ड गर्भवती महिला व उसके पति का आधार कार्ड तथा लाभार्थी के खाते की पासबुक आदि फॉर्म भरते समय जमा करना होता है। कार्यक्रम के दौरान महिला कल्याण अधिकारी श्रीमती अर्चना राय, सेंटर मैनेजर श्रीमती संध्या सिंह, संरक्षण अधिकारी श्रीमती चंदा शाहनी, जिला समन्वयक राखी राय, जिला समन्यवक कृतिका राय, मनोवैज्ञानिक प्रमर्शदाता मीरा यादव, पैरामेडिकल स्टाफ उपमा राय एवं सुरक्षा कर्मी सहित महिला कल्याण विभाग के समस्त अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वांछित अभियुक्त को अवैध देसी तमांचा व कारतूस के साथ किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना करीमुद्दीनपुर पर वांछित चल रहे 1 नफर अभियुक्त को एक अदद अवैध देशी तमंचा .315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ किया गया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण मे आज दिनांक 22.09.2023 को थानाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह यादव मय हमराह के रोकने जुर्म जरायम व जनपद में हो रही चोरी की घटनाओ एवं मु0अ0स0 151/23 धारा 3(1) उ0प्र0 गै0एक्ट में अभि0गम की गिरफ्तारी हेतु अन्दर थाना क्षेत्र संदिग्ध व्यक्ति/वाहन चेकिंग में शेरमठ अन्डरपास पर मामूर था कि मुखबिर खास की सूचना पर अभियुक्त महावीर प्रसाद यादव पुत्र प्रभुनाथ यादव नि0ग्राम गन्धपा थाना करीमुद्दीनपुर जनपद गाजीपुर उम्र करीब 23 वर्ष को मय एक अदद देशी तमंचा .315 बोर नाजायज व एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया, जो मु0अ0स0 151/23 धारा 3(1) उ0प्र0 गै0एक्ट थाना करीमुद्दीनपुर में वांछित था। अभियुक्त को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष उ0नि0 देवेन्द्र सिंह यादव, का0 संदीप कुमार, का0 संजीव कुमार थाना करीमुद्दीनपुर शामिल रहे।

रोजगार मेले का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कन्धेरी मऊ में 26 सितंबर को

प्रखर, मऊ। जिला सेवायोजन अधिकारी एम.आर. प्रजापति ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं कौशल विकाश मिशन मऊ के संयुक्त तत्वावधान में जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को निजी क्षेत्र में सेवायोजित करने के उद्देश्य से दिनांक 26 सितम्बर 2023 को प्रातः 10:30 रोजगार मेले का आयोजन राजकीय पॉलिटेक्निक कंधेरी मऊ के परिसर में किया जा रहा है। जिसमें निजी क्षेत्र की महामाया विकास गार्मेन्टस, टीमलीज प्रा०लि०, शिवशक्ति बायो टेक्नोलॉजी प्रा०लि०, प्रेरणा इनोवेटिव सलूशन एवं विदेश में हेल्पर, क्लीनर, सिक्योरिटी गार्ड, ए०सी० टेक्निशियन, इलेक्ट्रीशियन, आटोमोटिव आदि पदों पर ठरउ्ळ (नेशनल स्किल डेवेलपमेन्ट कार्पोरेशन) द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से 30 दिन की निःशुल्क प्रशिक्षण राजकीय आई०टी०आई० करौंदी वाराणसी में दिया जायेगा। प्रशिक्षण के उपरान्त योग्य अभ्यर्थियों को मुफ्त वीजा एवं मुफ्त एयर टिकट देकर विदेश में रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा । उक्त कम्पनियों द्वारा अपनी रिक्तियों के सापेक्ष बेरोजगार अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार प्रदान करने की कार्यवाही साक्षात्कार के माध्यम से की जायेगी। रोजगार मेले में जनपद के हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, आई०टी०आई० एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण वेरोजगार पुरूष एवं महिला अभ्यर्थियों द्वारा अपनी एडमिन से सम्बन्धित कम्पनियों में सेवायोजन पोर्टल से आवेदन करते हुए शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभाग किया जायेगा। विशेष जानकारी हेतु कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है। उक्त कार्य हेतु कोई मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

महिलाओं कों 33 प्रतिशत आरक्षण बिल पास करने पर मिसेज बनारस वंदना सिंह ने केक काटकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कों दिया धन्यवाद

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। प्रधानमंत्री द्वारा महिलाओं को दिए गए 33% आरक्षण नारी शक्ति बंदन अधिनियम बिल पास करने पर 21सितम्बर शुक्रवार कों बीएल डब्लू स्थित रेलवे कालोनी में मिसेज बनारस 2021और मिसेज इंडिया इंटरनेशल कोहिनूर ब्यूटी 2023 वंदना सिंह ने केक काटकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कों दिया शुभकामनाएं और बधाई` वंदना सिंह ने मीडिया से वार्ता के दौरान बताया की नारी शक्ति बंदन अधिनियम को लेकर जो बिल पास हुआ उसको लेकर महिलाओं में काफी खुशी की लहर है सभी महिलाओं की तरफ से मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कों धन्यवाद देती हूँ महिलाओं कों 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने के बाद अब महिलाओं को चुनाव लड़ने में सहूलियत होगी और अन्य सभी प्रकार की समस्याओं में भी उनकी मदद हो सकेगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान हेतु जनपद स्तरीय अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

प्रखर,मऊ। जिलाधिकारी अरुण कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि जनपद में संचारी रोग नियंत्रण अभियान 03 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक तथा दस्तक अभियान 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलाया जाएगा। इस अभियान के दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग के साथ ही जिला कार्यक्रम विभाग को भी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जाना है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पूर्व में संचालित संचारी रोग अभियान की प्रदेश स्तरीय जारी रैंकिंग के बारे में जानकारी लेते हुए इस बार व्यवस्थित ढंग से बेहतर रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने संचारी रोग अभियान से जुड़े विभागों को बेहतर कार्य योजना तैयार कर इस अभियान को सफल बनाने को कहा। इसके अलावा इस अभियान के नोडल विभाग चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को उन्होंने पूरे अभियान के दौरान नियमित मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण कार्य कर बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

गुरु ग्रह गए पढन रघुराई अल्प काल विद्या सब आयी– कथा व्यास साध्वी श्रीनिष्ठा जी

प्रखर वाराणसी। श्रीराम कथा आयोजन समिति और कोशलेस नगर कालोनी नागरिक समिति के तत्वाधान में सात दिवसीय श्रीराम कथा के तीसरे दिन परीक्षित धीरज सिंह सपत्नी श्रीमती प्रति सिंह और श्री राम कथा आयोजन समिति के संयोजक वरुण सिंह और अशोक पटेल ने व्यास पीठ का पूजन कर कथा प्रारंभ कराया । ग्वालियर से

पधारी कथा व्यास साध्वी श्रीनिष्ठा जी मंगलाचरण के बाद कथा प्रारंभ किया । कथा व्यास साध्वी श्री निष्ठा ने कहा

भगवान राम विद्या अध्यन करने गुरुकुल में गए । "गुरु ग्रह गए पढन रघुराई " "अल्प काल विद्या सब आयी "

संसारी पढ़ाई पड़कर हम अपने संस्कार को भूल जाते है लेकिन सत्कर्म की भावना वाली पढ़ाई से ही मोक्ष मिलता है ।

भगवान राम की जीवन शैली को व्याखानित करते हुए साध्वी श्री निष्ठा ने कहा -"प्रात काल उठ के रघुनाथा" "मात पिता गुरु नावहीं माथा "

राम भगवान अपने शील स्वभाव और माँ बाप गुरु की सेवा से भगवान बने । इसलिए राममय होने के लिए मयार्दा का होना बहुत जरूरी है । ईश्वर के सामने हमेशा अबोध बालक बनकर रहें क्योंकि परमात्मा अपने बालकों को कभी निराश नही करता है ।

"क्यों घबराऊं मैं मेरा तो राम से नाता है " मेरी ये जीवन गाड़ी राम चलाता है " भजन पर श्रोता भावपूर्ण हो गए ।

राम सिया के विवाह प्रसंग पर गारी गीत "आज मिथिला नगरिया निहाल सखिया चारों दुलहा में बड़का कमाल सखीया " पर कथा प्रेमियों ने पुष्प वर्षा करके राम सिया विवाह में अपने को सम्मिलित किया।

आए हुए अतिथियों का स्वागत कोशलेस नगर कालोनी नगरीय समिति के सचिव प्रमील पाण्डेय ने माल्यार्पण कर अंग वस्त्र देकर किया। नाट्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित भाजन गायक विजय कपूर ने अपने भजन के माध्यम से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर किया।

कथा में प्रमुख रूप से राजेश नागर, इंद्रजीत सिंह, ई0 अनिल सिंह , दीनानाथ सिंह मुन्ना , हरिशंकर मिश्रा मंचल, आनंद मिश्रा नूतन, परितोष पाण्डेय , पंकज श्रीवास्तव , धीरज सिंह , संतोष श्रीवास्तव, विपिन सिंह, अंशुमाली सिंह, राजीव पटेल राजू , अंकित , सोनू सिंह, धर्मेन्द्र , मदन लाल गुप्ता, श्री प्रकाश मिश्रा , रसनागर तिवारी , एड0 व्यास जी , कैलाश तिवारी ,गोपाल खरवार, संजीव सिंह, संजय यादव , रजनी सिंह , अनिता श्रीवास्तव , गायत्री देवी सतीश पाल सहित मौजूद रहे।

वाराणसी मण्डल पर नामित अधिकारियों द्वारा ट्रेनों की सफाई एवं आनबोर्ड निरीक्षण एवं ट्रेनों के अंदर स्वच्छता बनाए रखने हेतु किया जागरूक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सम्पूर्ण भारतीय रेलवे के साथ - साथ वाराणसी मंडल पर मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (एल्लैं) अपूर्व स्वर्णकार के नेतृत्व में 16 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2023 तक स्वच्छता ही सेवा थीम पर स्वच्छता पखवाड़ा चलाया जा रहा है। स्वच्छता पखवाड़े के क्रम में वाराणसी मंडल पर 21 सितम्बर 2023 शुक्रवार का दिन स्वच्छ रेलगाड़ी थीम पर मनाया गया जिसमे नामित अधिकारीयों द्वारा ट्रेनों का सफाई एवं आनबोर्ड निरीक्षण किया गया साथ ही वाराणसी मंडल के टेर्मिनेटिंग एवं ओरिजिनेटिंग स्टेशनों से तक संचालित होने वाली रेलगाड़ियों में व्यापक अभियान चलाकर साफ- सफाई की गई और ट्रेनों के अंदर स्वच्छता बनाए रखने हेतु जागरूक किया गया। इसी क्रम में वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (एल्लैं) अपूर्व स्वर्णकार ने बनारस कोचिंग डिपो में काशी-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस,बनारस-नई दिल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, बनारस- गोरखपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस आदि गाड़ियों में साफ-सफाई तथा लिनेन की स्वच्छता का निरीक्षण किया इसी क्रम में कोचिंग डिपो अधिकारी छपरा द्वारा सारनाथ एक्सप्रेस, छपरा-वाराणसी सिटी इंटरसिटी एक्सप्रेस,लोकनायक एक्सप्रेस एवं गोमतीनगर एक्सप्रेस तथा कोचिंग डिपो अधिकारी मऊ द्वारा गाड़ी सं-15025/26 एवं गाड़ी सं-22539/40 सहायक संरक्षा अधिकारी द्वारा आजमगढ़ में कैफियात एक्सप्रेस आदि गाड़ियों की जाँच की और यात्रियों से फीडबैक लेकर कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त वाराणसी मंडल के नामित अधिकारीयों द्वारा टेर्मिनेटिंग एवं ओरिजिनेटिंग स्टेशनों बनारस, आजमगढ़, प्रयागराज रामबाग,मऊ, भटनी, गाजीपुर सिटी, बलिया, छपरा, सीवान, थावे, कप्तानगंज एवं वाराणसी सिटी स्टेशनों से गुजरने वाली मेल एक्सप्रेस गाड़ियों पर व्यापक साफ झ्र सफाई अभियान चलाकर क्लीन ट्रेन बनाने का प्रयास किया गया इस दौरान ओबीएचएस ट्रेनों में अधिकारियों पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों की टीम द्वारा स्टेशन पर चिन्हित विशेष ट्रेनों का गहन निरीक्षण। गाड़ियों की सफाई की स्थिति, सफाई उपकरणों की उपलब्धता, सफाई कर्मियों की संख्या, कूड़ा निस्तारण का बदोबस्त, डस्टबीन की उपलब्धता , वाशिंग लाइन में गाड़ी की सफाई, गाड़ियों के शौचालयों की साफ - सफाई , वाशबेसिन की स्वच्छता , वातानुकूलित कोचों में पेस्ट कंट्रोल और स्वच्छ लिनेन (कम्बल,चादर,तौलिया और तकिया) की स्वच्छता और गुणवत्ता तथा गाड़ियों में यात्रा के दौरान यात्रियों को प्राप्त होने वाली सुवधाओं के स्तर पर विशेष ध्यान दिया गया और इसके परिप्रेक्ष्य में यात्रियों से फीड बैक भी लिया गया और यात्रियों की प्रतिक्रिया और सर्वोत्तम ओबीएचएस कर्मचारियों पर्यवेक्षकों के लिए पुरस्कार की घोषणा भी की गई ट्रेन कोचों में साफ-सफाई, गंदगी-निरोधक संबंधी पोस्टर लगाकर यात्रियों को यात्रा के दौरान स्टेशनों एवं गाड़ियों में स्वच्छता के प्रति सदैव जागरूक रहकर ट्रेन की स्वच्छता बरकरार रखने की अपील की गई। इस अभियान के दौरान गाड़ियों में गंदगी फैलाने वाले यात्रियों को पकड़ा गया और कड़ी चेतावनी देकर जिम्मेवारी समझा कर छोड़ दिया गया इस दौरान यात्रियों से स्टेशनों पर स्वच्छता कायम रखने के परिप्रेक्ष्य में फीड बैक भी लिया गया और उनको यात्रा के दौरान स्टेशनों एवं गाड़ियों में गंदगी फैलाने से होने वाले नुकसान के प्रति सचेत होकर स्वच्छता के प्रति सदैव जागरूक रहकर अन्य यात्रियों को भी स्वच्छता के लिए जागरूक करने का सन्देश दिया।

अखिल भारतीय ब्राह्मण न्यास परिषद" के तत्वावधान में न्यासी सदस्यों एवं अन्य सहयोगियों के साथ महत्वपूर्ण विचार सभा सम्पन्न

प्रखर वाराणसी। लंका स्थित एक निजी प्रतिष्ठा के हाल में "अखिल भारतीय ब्राह्मण न्यास परिषद" के तत्वावधान में न्यासी सदस्यों एवं अन्य सहयोगियों के साथ एक महत्वपुर्ण विचार सभा सम्पन्न हुयी। जिसमें सर्व श्री जगतगुरु रामानुजाचार्य पुण्डरीक शास्त्री जी, प्रो एच एस शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय शल्य चिकित्सा, प्रो अरविंद जोशी जी जैसे विद्वान जनों ने अपने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किये। स्वागत करते हुए न्यास के अध्यक्ष पं प्रमोद कुमार मिश्र जी ने वर्तमान समय को सनातन संस्कृति पर प्रहार का और चुनौती का बताते हुए सभी से इसके प्रतिकार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तथाकथित जननेता वेशधारी असामाजिक तत्व सनातन संस्कृति की मयार्दा पर कुत्सित विचार व्यक्त कर रहे है। इसके प्रतिकार की आवश्यकता है। अखिल भारतीय ब्राह्मण न्यास परिषद के अध्यक्ष श्री प्रमोद कुमार मिश्रा ने कहा भारतीय सेना में ब्राह्मण रेजीमेंट की पुनर्स्थापना होनी चाहिए। श्रद्धेय आचार्य पुण्डरीक जी ने अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए कहा कि सनातनस्य धर्मः सनातनधर्मः सर्व विधि उत्कर्ष का विधायक धर्म सनातन धर्म है सनातन धर्म का अर्थ है की सनातन सर्वेश्वर द्वारा महाप्रलय के पश्चात प्रति महासर्ग के प्रारंभ में ब्रह्मा आदि महर्षियों को उपदिष्ट धान में सनातन धर्म है सनातन परमात्मा को प्राप्त करता है इस मार्ग के द्वारा चलने वाला जीव नित्य शुद्ध बुद्ध मुक्त सच्चिदानंद स्वरूप का साक्षात्कार करके परमात्मा का हो जाता है श्रीमद् भागवत महापुराण में सनातन धर्म आप से ही उत्पन्न हुआ है आपके अवतारों द्वारा समय-समय पर उसकी रक्षा होती है और इसका प्राप्त होना बाद ही है सनातन सर्वेश्वर से उत्पन्न है और उन्हीं से इसकी रक्षा है और उन्हें का प्रपक्व धर्म सनातन धर्म में सनातन धर्म सृष्टि से पूर्व था और आज भी है और अंत भी रहेगा इस धर्म के नाश के लिए सतयुग में

हिरण्याक्ष हिरण कस्प त्रेता में रावण कुंभकरण द्वापर में कंस शिशुपाल और कलयुग में तो बहुत सारे दूरबीचारी लोग हैं परंतु एक बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि जब हम संस्कृति का पोषण करेंगे जब हम संस्कार में जिएंगे और हर व्यक्ति के अंदर संस्कार है उसको हम जागृत करेंगे तो निश्चित ही सनातन धर्म का उत्थान होगा। हमें अपने बच्चों को वैदिक शिक्षा गुरुकुल की परंपरा आहार विचार और संस्कारों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है हम आधुनिक शिक्षा को स्वीकार करते हुए अपने संस्कारों को आत्मसात करें अपने जीवन में उतरे यही सनातन धर्म का सबसे बड़ा सम्मान है।प्रो एच एस शुक्ला जी के अनुसार ब्राह्मण के प्रति समाज का सम्मान अनुपम रहा है इसीलिए ब्राह्मण का भी दायित्व बनता है कि वो समाज के कल्याण की दिशा में सदैब प्रयत्नशील रहे और गलत के विरुद्ध आवाज उठाये न्यासी सदस्य प्रो अरविंद जोशी जी ने कहा कि सत्य और न्याय के पथ पर चलने वाले ही का वास्तविक नाम ब्राह्मण है।धर्म एवं प्राच्य विद्या संकाय बी एच यू के एवं न्यासी सदस्य प्रो शंकर कुमार मिश्र ने भी धर्म को शास्त्र का प्रतिबिंब कहा और उसके अनुपालन की महत्ता बतायी। प्रो सरोज पांडेय जी के अनुसार ब्राह्मण मुखः ब्राह्मणे।महामना की दृष्टि रही थी की ग्राम ग्राम सभा हो जहां से स्वस्थ विचार प्रकाशित होते हैं इसी आधार को प्रमोद मिश्र जी ने आत्मसात किया है ।

आप जनता जनार्दन में जाकर चेतना का प्रादुर्भाव करने का प्रयास कर रहे है।सर्वे भवन्तु सुखिनःयही ब्राह्मण का कार्य रहा है कथा वाचन लेख पूजन आदि विविध माध्यम से ब्राह्मण यही करते रहे हैं।श्री सरोज पांडेय जी ने शुद्ध संस्कृत में अपने विचार रखे न्यासी सदस्या प्रो उमा त्रिपाठी जी के अनुसार सनातन धर्म पर सनातन संस्कृति पर कोई भी कुछ कह देता है। मात्र क्रिया की प्रतिक्रिया से समस्या का समाधान नही होगा इसके लिये वैचारिक उदघोष करना होगा । हूण शक मंगोल आये किन्तु सनातन को मिटा नही सके। कोई नेता मंत्री कुछ कहता है तो उचित मंच को प्रकाश में लाकर इस दुस्साहस का प्रतिउत्तर देना होगा।महासचिव पवन शुक्ल वसुधैव कुटुम्बकम संघ ही शक्ति है सनातन हमारा संस्कार हैं जिस पर प्रहार किया जा रहा है ब्राह्मण सदैव बलिदान देता रहा है, काशी के प्रत्येक गली मुहल्लों में मठ आश्रम अखाड़े मिलेंगे इनके मध्य जाकर चेतना और मार्गदर्शन प्राप्त करना होगा वर्तमान चुनौतियों से सामना करने हेतु।उपाध्यक्ष श्री श्री राम द्विवेदी जी के अनुसार सनातन पर आक्रमण हो रहा है और हम मौन हैं यह विडंबना है। इसका अकाल हो गया है कोई पागल कुछ भी कहे इसके प्रतिकार में कोई मार्ग निकलना चाहिये। उपाध्यक्ष श्री राजमंगल पांडेय के अनुसार भावी युवा पीढ़ी में भी संस्कारो का बीजारोपड करना होगा यो ऐसे राक्षसों का उन्मूलन हो जायेगा।

बदलापुर थाने में निरीक्षण करने पहुंचे एसपी, हड़कंप

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा ने शुक्रवार को बदलापुर थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान एसपी ने पुलिस के समक्ष उत्पन्न समस्याओं से भी अवगत हुए। एसपी ने थाना परिसर का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई का भी अवलोकन किया। इस दौरान महिला हेल्प डेस्क, कम्प्यूटर रूम, थाना परिसर,मेंस, बैरक, मालखाना, कार्यालय,रजिस्टरों के रख-रखाव के बारे में उन्होंने सूक्ष्म निरीक्षण किया। इस मोके पर उपस्थित सीओ से बदलापुर थाना इलाके के नए पुराने सफेदपोश माफियाओं, पशु तस्करों, शराब कारोबारियों, हवाला कारोबारियों और भू माफियाओं को चिन्हित करके उनके रोजगार कारोबार के साथ ही उनकी अकूत सम्पतियों पर प्रशासन का चाबुक चलाने की गोपनीय रणनीति तैयार की गई।पुलिस कप्तान ने शराब तस्करी से जुड़े कुछ चुनिंदा सफेदपोश लोगों को फिर से चिन्हित करने निर्देश दिये।

2 शातिर अपराधियो को 3 राशि गोवंशीय पशु व एक अदद नाजायज चाकू के साथ किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना मुहम्मदाबाद, गाजीपुर पुलिस द्वारा 2 शातिर अपराधियो को 3 राशि गोवंशीय पशु व एक अदद नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार करने की उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गयी। पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार जनपद गाजीपुर में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी मुहम्मदाबाद के निकट पर्यवेक्षण में आज दिनांक 22 सितम्बर 2023 को उ0नि0 सन्तोष कुमार यादव मय हमराहीगण द्वारा परसा तिराहे से लगभग 400 मीटर दाहिने सड़क के किनारे स्थित बाग से 2 शातिर अपराधियों को 2 राशि गाय व एक राशि बछड़ा व 1 अदद नाजायज चाकू व एक अदद वाहन संख्या UP60BT2646 पिकअप के साथ गिरफ्तार किया गया।

रियासत के बारहवें नरेश राजा जौनपुर का धूमधाम से मना जन्म दिवस

प्रखर जौनपुर। जिले में रियासत के बारहवें नरेश राजा अवनीन्द्र दत्त दूबे का आज 76वाँ जन्म दिवस हिन्दी पंचांग माह भाद्रपद के शुक्ल पक्ष राघा अष्टमी के दिन पूर्व की भाँति वैदिक परम्परानुसार धूमधाम से मनाया गया। बता दें कि राजा हवेली स्थित मंदिर ठाकुर द्वारा में दरबार के राज पुरोहित पंडित जनार्दन मिश्रा द्वारा अपने सहयोगियों के साथ वैदिक मंत्रो एवं रीति रिवाज से हवन-पूजन कर राजा साहब को रक्षासूत्र बाधां। तत्पश्चात दरबार हवेली में शहर के गणमान्य बुद्धिजीवियों, व्यापारियों, वकील व पत्रकार जनों ने राजा साहब से शुभेच्छा भेंट करते हुए बधाई दीए एंव आशीर्वाद लिया। इस अवसर राजा श्रीकृष्ण दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं राजा श्रीकृष्ण दत्त इण्टर कालेज के प्राचार्य/ प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापकगण एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारीयों ने राजा साहब को माल्यार्पण कर व पुष्पगुच्छ देकर उनके शतायु होने की मंगल कामना की। इस अवसर पर पूर्व प्रमुख सुरेन्द्र प्रताप सिंह, संत प्रसाद राय, रामाश्रय द्विवेदी, डॉ. देवेन्द्र प्रताप उपाध्याय (पूर्व प्रबन्धक) पूर्व प्राचार्य प्रो.कैप्टन डा. अखिलेश्वर शुक्ला, प्रो.शम्भूराम प्राचार्य, डा.संजय चैबे प्रधानाचार्य, डा. सत्य राम प्रजापति प्रबन्धक, डॉ.प्रेमचन्द पूर्व प्रधानाचार्य, महाबल यादव, जियाराम यादव, डा ओम प्रकाश शाही, डा सुबास चन्द सिंह, ऋषिकेश द्विवेदी, संजय अस्थाना पत्रकार ,पत्रकार रियाजुल, डॉ. अशोक मिश्र, डॉ. विश्वनाथ यादव, डॉ. रमेशचन्द्र, अशोक कुमार तिवारी, रवि प्रकाश सिंह, सुधाकर मौर्य लेखाकार, प्रो. मयानन्द उपाध्याय, प्रो. अवधेश द्विवेदी, डॉ. देवमणि दूबे, डॉ.मनोज पाठक, डॉ. मनोज वत्स, श्रीमती रंजना चैरसिया, पूजा सिंह, सीमा अंजुम, कविता, राजेश श्रीवास्तव, डॉ. आशाराम यादव, डॉ. बृजेश कुमार सिंह, विनय कुमार ओझा, अंजनी कुमार श्रीवास्तव, गीतम सिंह, संदीप, डा. आशीष कुमार शुक्ला सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद के भाई का निधन शोक में स्कूल कॉलेज बाजार बंद

प्रखर जौनपुर। पूर्व विधायक स्वर्गीय राजबहादुर यादव के पुत्र व पूर्व सांसद स्वर्गीय अर्जुन सिंह यादव के छोटे अनुज समाजसेवी सुभाषचंद्र यादव का हृदयाघात के चलते शुक्रवार की भोर मे निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई । शोक संवेदना प्रकट करने वालों का ताता लग गया। इस दौरान वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय समेत क्षेत्र के सभी डिग्री इंटर जूनियर प्राइवेट कॉलेज में शोकसभा कर बंद कर दिया गया। बता दें कि प्रबंधक समाजसेवी 67 वर्षीय सुभाषचंद्र यादव की रात शुक्रवार की भोर में अचानक तबीयत खराब हुई और 2 बजे के करीब हृदयाघात के चलते उनका निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही पूर्व राज्यमंत्री शैलेंद्र सिंह यादव ललई, विधायक रागनी सोनकर, पूर्व एमएलसी लल्लन प्रसाद यादव, पूर्व विधायक श्रद्धा यादव , पूर्व अध्यक्ष राजबहादुर यादव ,प्रदेश सचिव राकेश मौर्य, राजीव रंजन यादव, पूर्व प्रमुख दीपचंद सोनकर ,भाजपा नेता पप्पू यादव,रामकृपाल, महामंत्री रमेशचंद यादव, पूर्व महामंत्री

स्वतंत्र कुमार, राधेश्याम सिंह मुन्ना, प्राचार्य ज्योतिष प्रकाश, तेज बहादुर मौर्य, पूर्व प्रधान वीरेंद्र सिंह मोनू सिंह घनश्याम सिंह राजेंद्र सिंह राय साहब सिंह नीतिश सिंह छोटू सिंह दिलीप प्रजापति समेत हजारो लोग घर पहुंच कर उनके पुत्र विवेक यादव, डॉ आलोक यादव ,भाई लालचंद यादव लाले ,डॉ जितेंद्र यादव से शोक संवेदना जताई । इसके बाद रामघाट पर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी और अन्तिम संस्कार किया । उनके निधन पर पीयू कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नन्दकिशोर सिंह, महामंत्री रमेशचंद्र यादव के नेतृत्व मे पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शोकसभा का आयोजन कर विश्वविद्यालय को बंद किया कर दिया गया। इसके अलावा जनता जनता जनार्दन इंटर कॉलेज प्रबंधन लालसाहब यादव एव रघुवर गंगा स्मारक इंटर कॉलेज जंगीपुर खुर्द में प्रबंधक व पूर्व प्रधानाचार्य डा जगन्नाथ यादव ने शोकसभा का आयोजन कर को कॉलेज बंद किया। इसके अलावा क्षेत्र के करीब दो दर्जन डिग्री इंटर प्राइवेट कॉलेज मे शोक सभा कर बंद कर दिए गए। उनके निधन पर सिद्दीकपुर बाजार, करंजाकला बाजार, सफदरगंज बाजार ,जासोपुर बाजार में शोकसभा कर बाजार बंद रहा।

सपा के राष्ट्रीय सचिव राम आसरे विश्वकर्मा का हुआ भव्य स्वागत

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज दिनांक 22 सितम्बर को जनपद आगमन पर जिलाध्यक्ष गोपाल यादव के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय समता भवन पर पार्टी के कार्यकताओं द्वारा राष्ट्रीय सचिव राम आसरे विश्वकर्मा का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व शिक्षा मंत्री रहे राम आसरे विश्वकर्मा ने भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और साम्प्रदायिक सोच

ओर महिलाओं के आरक्षण के मसले पर सवालिया लहजे में कहा कि भाजपा सरकार का महिला आरक्षण बिल आधा अधूरा है, इस आरक्षण का लाभ पिछड़ों और अल्पसंख्यकों वर्ग की महिलाओं को भी मिलना चाहिए।? उन्होंने भाजपा सरकार को गरीब विरोधी बताते हुए कहा कि बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार ने आर्थिक ढांचे को तहस-नहस कर दिया है। जनसामान्य का जिंदा रहना दूभर हो गया है। लोग बेबस और लाचार हैं। भाजपा सरकार ने महंगाई रोकने का कोई प्रयास नहीं किया। महंगाई से परेशान होकर मजबूरी में कई लोगों ने आत्महत्या तक कर ली है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की साम्प्रदायिक सोच के चलते इस देश की गंगा जमुनी तहजीब और सामाजिक और साम्प्रदायिक सद्भाव खतरे में है।? भाजपा की मजहबी सोच की वजह से दुनिया में विविधता में एकता की जो पहचान दुनिया में थी वह खतरे में है। प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। कोई ऐसा दिन नहीं गुजरता जिस दिन प्रदेश में हत्या की वारदात न हो।? भाजपा राज में लोगों की जान सस्ती हो गई है। भाजपा सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में रोजगार के अवसर घट रहे हैं। नौजवानों का भविष्य अंधकार में है और अपराध बढ़ रहे हैं। महंगाई का असर तो रोजाना की खाद्य सामग्री और घरेलू उपयोग के सामान पर भी पड़ रहा है। तेल, घी, दाल, आटा, सब्जी की कीमतों पर कोई रोक न लगने से लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है। डीजल, पेट्रोल, खाद, बीज के दाम बढ़ने से किसान की फसल की लागत बढ़ गयी है। भवन निर्माण सामग्री ईंट, मौरंग, बालू आदि पर 18 फीसदी जीएसटी लगने से मध्यम वर्ग के सिर पर छत भी नहीं पड़ने वाली है। देश की अर्थव्यवस्था की जमीनी हकीकत जब निराशाजनक है तब लोगों को गुमराह करने के लिए कभी 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी के लक्ष्य और वैश्विकस्तर पर पांचवें से तीसरी श्रेणी में छलांग लगाने का दावा हैं। जबकि लोगों की आमदनी घटने से देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि जेपी सिंह द्वारा बेलहरा की ग्रामीण सड़कों का हुआ जीर्णोद्धार

प्रखर गाजीपुर। बात गाजीपुर जिले के जखनियां क्षेत्र के बेलहरा गांव की है जहां के वर्तमान प्रधान श्रीमती शिवदेवी सिंह धर्मपत्नी श्री जे पी सिंह हैं।जिन्होंने अपने कार्यकाल में बेलहरा गांव का कई तरह से जीर्णोद्धार किया है।जी हां उसमें से एक है ग्रामीण सड़क। जहां वषार्काल के समय लोगों का पैदल आना जाना दुभर रहता था।वहां आज लोग चार पहिया वाहन से भी आसानी से जा सकते हैं।उन्होंने बेलहरा गांव में जो ईंट से खड़ंजे लगाए गए थे जो कहीं कहीं धंस भी गए थे ।उस पूरे मार्ग को सीमेंटेड ईंट के द्वारा इंटरलॉकिंग कराया।इतना ही नहीं हथियाराम, जखनियां,रायपुर और आदि जगहों से आने वाली राजमार्ग से ऊचहुवां आजमगढ़ को जानेवाली ग्रामीण सड़क पर सीमेंटेड ईंट लगवाया है जिससे राहगीर अब आसानी से आवागमन कर सकते हैं।बता दें की उसी सड़क पर लोगों को वर्षा के समय में जाने के लिए साइकिल को कंधे पर रखकर गुजरना पड़ता था।बाइक और चार पहिया वाहन की तो बात ही छोड़िए।पैदल आदमी गिर जाता था।जिस पर आज मुस्कुराते हुए लोग आते जाते हैं।कहते हैं एक सिक्के के दो पहलू होते हैं,उसी प्रकार व्यक्ति को

केवल दोष ही नहीं देखने चाहिए, बल्कि गुण भी देखने चाहिए। ऐसे समय में तुलसीदास जी के दोहे को कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि

"मुखिया मुख सों चाहिए,
खान पान को एक।
पालै पोसै सकल अंग,
तुलसी सहित विवेक॥"

मुखिया को मुख या मुँह के समान होना चाहिए। इस प्रकार तुलसीदासजी कहते हैं कि मुँह खाने पीने का काम अकेला करता है, लेकिन वह जो खाता पीता है, उससे शरीर के सारे अंगों का पालन पोषण करता है। इसलिए मुखिया को भी ऐसे ही विवेकवान होकर वह अपना काम अपने तरह से करे लेकिन उसका फल सभी में बाँटे। यही नहीं इसको चरितार्थ करते हुए प्रतिनिधि जे पी सिंह ने बेलहरा में अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल भी बनवाया है जो केवल कागजों में ही सीमित नहीं है। वरन् उसको चरितार्थ भी किया है,उसमें आज भी गोवंश रहते हैं और उनकी देखभाल की जाती है। यह बाकी के ग्राम प्रधानों के लिए एक चुनौती है,इस कार्य से प्रेरित होकर ही सही एक बार सीखने की जरूरत है,जिससे हर गांव की दिशा और दशा बदल सके।सिर्फ अपनी जेब भरना ही अपना उत्तरदायित्व नहीं बल्कि सही मायने में जनसेवा ही प्रधान का कर्तव्य है।कई जगहों पर तो गांव के प्राचीन से प्राचीन रास्तों को बंद करवाके प्रधान से लेकर आला अधिकारी तक खुद मौन हैं,और कभी गांव की हालचाल भी नहीं लेते,बनवाना तो दूर की बात है।आम जनता अगर आवागमन का दंश झेल रही है तो सबसे पहली प्राथमिकता ग्राम प्रधान की है,और उसके बाद संबंधित अधिकारियों की।अतः इस समय को देखते हुए बेलहरा के वर्तमान प्रधान श्रीमती शिवदेवी सिंह से बाकी ग्राम प्रधानों को बहुत कुछ सीखने की जरूरत है।

दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की बैठक सभापति उमेश द्विवेदी की अध्यक्षता में हुई संपन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की दैवीय आपदा प्रबंधन जांच समिति की बैठक सभापति उमेश द्विवेदी की अध्यक्षता में रायफल क्लब सभागार में आयोजित हुई, जिसमें जनपद में आपदा से संबंधित शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं लाभान्वित लोगों के संबंध में गहन समीक्षा की गई। आयोजित बैठक में समिति के सदस्य लाल बिहारी यादव, डॉ. बाबूलाल तिवारी ने जिले के सभी आलाधिकारियों से नदी में बाढ़ की स्थिति, नाव दुर्घटना, आकाशीय बिजली, मौसम, आधी तूफान, सर्पदंश, आगजनी, आदि के संबंध में समीक्षा करते हुए विस्तार से जानकारी ली। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0रा0 अरूण कुमार सिंह ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से समिति के समक्ष जिले में आपदा प्रबंधन के संबंध में विस्तार से बिन्दुवार जानकारी देते हुए जनपद में किए गए नवाचारों पर अपनी प्रस्तुति दी। उन्होने कहा कि जनपद के समस्त प्राथमिक, जूनियर व राजकीय विद्यालयो के एक अध्यापक को दैवीय आपदा के दौरान निपटने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। समिति के सभापति ने उपस्थित सभी अधिकारियों को अपने-अपने मोबाईल में आकशीय विद्युत से बचाव हेतु दामिनी एप्प डाउनलोड करने के साथ-साथ बरसात के दिनो मे क्या करे क्या न करे का बोर्ड लगाने, आगजनी के दौरान बचाव हेतु फायर ब्रिगेड के दूरभाष नम्बर को आमजनमानस में प्रचार-प्रसार कराने, नदियों में उसकी गहराई आदि के संबंध में साईनेजेज लगाने का निर्देश दिया ताकि लोग सावधानी बरतें व उनको डूबने से बचाया जा सके। किसान सम्मान निधि में कुछ पात्र लोगों की ई-केवाईसी लंबित होने पर जिला कृषि अधिकारी गाजीपुर को उसको पूरा कराकर समिति को अवगत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को कहा कि सर्पदंश से बचाव के लिए आमजन को जागरूक करें। सर्पदंश से मृत्यु पर अनिवार्य रूप से पोस्टमॉर्टम कराने के लिए जागरूक करते हुए अनुमन्य सरकारी धनराशि उपलब्ध कराएं। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि सीएससी, पीएचसी पर सर्पदंश निरोधक औषधि के अलावा अन्य दवाओं की भी पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराए तथा इसका डिस्प्ले भी कराएं। उन्होंने जनपद में चिकित्सको, दवाओ, अल्ट्रासाउण्ड की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली तथा निर्देश दिया कि जनपद में जो भी चिकित्सीय सुविधाए उपलब्ध नही है उसकी सूची बनाकर प्रस्तुत करे, जिससे शासन को अवगत कराते हुए उसकी पूर्ति की जा सके।

संक्षिप्त खबरें

चोलापुर के नियारडीह पम्प का 3:5 करोड़ में होगा आधुनिकीकरण : त्रिभुवन राम

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर के अजगरा विधायक ने चार पम्प नहर के आधुनिकीकरण का किया उद्घाटन. चार पम्प कैनाल के लिए सात करोड तीस लाख की परियोजना की राशि स्वीकृत. दानगंज. अजगरा विधायक त्रिभुवन राम ने नियारडीह पम्प कैनाल का आधुनिकीकरण सहित चार पम्प नहर का उद्घाटन किया .उद्घाटन कार्यक्रम क्षेत्र के नियारडीह पम्प कैनाल के प्रागण मे चारो का एक साथ हुआ. विधायक अजगरा त्रिभुवन राम ने बताया कि अजगरा विथानसभा के चार पम्प कैनाल कैथी पम्प कैनाल के आधुनिकीकरण मे.132:6 लाख. भगवानपुर पम्प कैनाल 143:48 लाख. चन्द्रावती पम्प कैनाल.110:79 लाख.और नियारडीह पम्प नहर के आधुनिकीकरण मे 348:68 की राशि खर्च होगी. कैनाल पम्प के आधुनिकीकरण से किसानो की नहर से सिचाई की समस्या का काफी हद दुर हो जायेगी. विधायक त्रिभुवन राम ने कहा कि नियार मेरी जन्म भूमि है बचपन मेरा नियार मे बिता मेरा लगाव अपने गांव बना रहा.सविस के दौरान ही वनसस्ती और बाबतपुर का पुल बनवाया.क्षेत्र की सैकड़ो सडक बनवाया. शिलान्यास कार्यक्रम मे -लघु डाल नहर खण्ड. वाराणसी के अधिकारीगण और कर्मचारी के साथ सुमत प्रताप. अखड सिह.हिटलर सिह.कपिल सिह. रविन्द्र कन्नोजिया. भोलू यादव. शिबाजी सिह. विनोद सिंह. राणा चौहान. नगीना सेठ. प्रमोद पाण्डेय आदि उपस्थित रहे है।

शव यात्रा में उमड़ा जन सैलाब 3 किलोमीटर में लगा जाम

प्रखर जौनपुर। समाजसेवी प्रबंधक सुभाषचंद्र यादव के शव यात्रा सुबह 9 बजे से शुरू हुआ। शव यात्रा में भारी संख्या में जन सैलाब उमर पड़ा और वाहनों का ताता लग गया। जिसके चलते शव यात्रा के चलते जौनपुर शाहगंज मार्ग पर पूर्वांचल विश्वविद्यालय से कुत्तूपुर आदमपुर चौकिया तक 5 किलोमीटर का लंबा जाम लग गया। इस दौरान स्कूल बसें व एम्बुलेंस सरकारी बसे फंसी रही ।हालांकि पुलिस के अधक प्रयास से किसी तरह से आवागमन चला । तीन घंटे बाद जाम समाप्त हुआ । पुलिस प्रशासन वलोगों ने राहत की सांस ली।

एप्प के माध्यम से स्वयं आयुष्मान कार्ड बनाना हुआ आसान

प्रखर जलालपुर जौनपुर। प्रधानमंत्री द्वारा चलाये जा रहें महत्वकांक्षी योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहें हैं जिसमे अब संसोधन कर ऐसे परिवार भी उसका लाभ उठाया सकता हैं जिस परिवार में सदस्यो कि संख्या छह या छह से अधिक हों। शुक्रवार को जलालपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉक्टर आलोक कुमार सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी राकेश चौबे ने जानकारी दिये कि अब सरकार के द्वारा मुफ्त में स्वास्थ्य लाभ देने के लिये पाँच लाख के रुपए तक आयुष्मान कार्ड का लाभ अधिक से अधिक लोग लें सके उसके लिये अब आयुष्मान एप्प आ गया हैं जिसके माध्यम से अब पात्रता के श्रेणी में आने लोग स्वयं से अपना आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं। आयुष्मान कार्ड बनाने जाने वाले पात्रता में संसोधन भी किया हैं। अब नये नियमो के माध्यम से जिस घर में छह या छह से अधिक सदस्य होंगे और जिस परिवार में सीनियर सीटीजिन हैं उनका आयुष्मान कार्ड बनाया जा सकता हैं। जिससे कि अधिक से अधिक लोग योजना का लाभ उठा सके उपस्थित लोगो में डॉक्टर प्रवीण कुमार, आशुतोष सिंह,दिनेश सिंह,सुजीत सिंह,अजित यादव,सुनील वर्मा,स्वपन सिंह, जयहिंद,प्रदीप रहें।

आदर्श ग्राम पूरे का दंगल संपन्न

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। थाना क्षेत्र के आदर्श गांव पूरे में हर वर्ष की भाँति कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बनारस के विनय पहलवान ने मेरठ के शुभम पहलवान को पटकनी देकर दस हजार रुपए का पुरस्कार जीता इसके अलावा महिला पहलवानो में बनारस की निधि पहलवान ने लखनऊ की तनु पहलवान को पटकनी देकर पांच हजार रुपए का पुरस्कार जीता व जौनपुर के राम सिंह दिव्यांग पहलवान एवं हरियाणा के परविंदर सिंह पहलवान के बीच तीन हजार की कुस्ती बराबरी पर छूटी इसके अलावा दो दर्जन पहलवानों की कुश्ती हुई कुश्ती दंगल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' जी रहे वरिष्ठ अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या, पूर्व मेयर कौशलेंद्र सिंह पटेल, शालिनी यादव, हर्षवर्धन सिंह, क्षेत्र पंचायत सदस्य संतोष अवस्थी, दिनेश तिवारी, निलेश त्रिपाठी, शिवम उपाध्याय, आदर्श ग्राम पूरे प्रधान पति सुभाष मौर्य, शिवाश्रे पटेल, उमाशंकर पटेल, जुगल किशोर नन्हे मोदनवाल इत्यादि सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष के पिता के मृत्यु पर वरिष्ठ भाजपा जन एवं पार्टी कार्यकर्ता ने व्यक्त की शोक संवेदना

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय जखनिया सोनबरसा मुड़ीयारी ग्राम सभा के निवासी भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश राजभर के पूज्य पिता फेकू राजभर का देवासन हो गया। जिसकी सूचना पाकर जनपद के वरिष्ठ भाजपा जन एवं पार्टी कार्यकर्ता उनके घर पहुंचे और शोक संवेदना व्यक्त किया। वही उनके अंत्येष्टि जौहर घाट सैदपुर में संपन्न हुई, जहां प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए उत्तर प्रदेश सरकार कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर मौके पर पहुंचे और उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त किया और राजेश राजभर सहित उनके परिवार का ढाढ़स बढ़ाया। इस मौके पर गाजीपुर लोकसभा संयोजक कृष्ण बिहारी राय, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विपिन सिंह, व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, संदीप सिंह सोनू, मनोज यादव, हंसराज राजभर, अशोक गुप्ता, पीयूष सिंह, धर्मवीर राजभर, प्रशांत सिंह, धीरेंद्र सिंह, वीरेंद्र यादव सहित पार्टी कार्यकर्ता एवं उनके सहयोगी उपस्थित रहे।

शरीर की गंध भी है पहचान का साधन

फ्लोरिडा (द कन्वरसेशन)। ताजा कटी घास की सुगंध से लेकर किसी प्रियजन की गंध तक, अपने जीवन के हर हिस्से में आप खुशबू का सामना करते हैं। आप न केवल लगातार गंध से घिरे रहते हैं, बल्कि इसे पैदा भी कर रहे हैं। और यह इतना विशिष्ट है कि इसका उपयोग आपको आपके आस-पास के सभी लोगों से अलग बताने के लिए किया जा सकता है। आपकी गंध एक जटिल उत्पाद है जो आपके आनुवंशिकी सहित कई कारकों से प्रभावित होती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि जीन का एक विशेष समूह, प्रमुख हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स, गंध उत्पादन में एक बड़ी भूमिका निभाता है। ये जीन शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में शामिल होते हैं और माना जाता है कि ये विशिष्ट प्रोटीन और रसायनों के उत्पादन को एन्कोड करके शरीर की गंध को प्रभावित करते हैं। लेकिन एक बार जब आपका शरीर इसे पैदा कर लेता है तो आपकी गंध स्थिर नहीं रहती। जैसे ही पसीना, तेल और अन्य स्राव आपकी त्वचा की सतह पर आते हैं, सूक्ष्म जीव टूट जाते हैं और इन यौगिकों को बदल कर इनमें उन गंधों को जोड़ देते हैं जो आपकी खुशबू बनाती हैं।

यह सुगंध मिश्रण आपके शरीर से निकलता है और आपके आस-पास के वातावरण में बस जाता

है। और इसका उपयोग किसी विशेष व्यक्ति को ट्रैक करने, पता लगाने या पहचानने के साथ-साथ स्वस्थ और अस्वस्थ लोगों के बीच अंतर करने के लिए किया जा सकता है।

शोधकर्ता वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों नामक गैसीय रसायनों का पता लगाने और लक्षण वर्णन के माध्यम से मानव गंध का अध्ययन करने में विशेषज्ञ हैं। ये गैसें फोरेंसिक शोधकर्ताओं और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं दोनों के लिए प्रचुर मात्रा में जानकारी दे सकती हैं।

शरीर की गंध का विज्ञान

जब आप किसी दूसरे व्यक्ति के करीब होते हैं, तो आप उन्हें छुए बिना ही उनके शरीर की गर्मी महसूस कर सकते हैं। आप बहुत करीब आए बिना भी उन्हें सूंघने में सक्षम हो सकते हैं। मानव शरीर की प्राकृतिक गर्मी उसके चारों ओर की हवा के साथ तापमान में अंतर पैदा करती है। आप अपनी निकटतम हवा को गर्म करते हैं, जबकि दूर की हवा ठंडी रहती है, जिससे हवा की गर्म धाराएँ बनती हैं जो आपके शरीर को घेर लेती हैं।

शोधकर्ताओं का मानना है कि हवा का यह गुबार आपके द्वारा दिन भर में छोड़ी गई लाखों त्वचा कोशिकाओं को आपके शरीर से बाहर और पर्यावरण में धकेल कर आपकी गंध को फैलाने में मदद करता है। ये त्वचा कोशिकाएं ग्रंथियों के स्राव और आपके रोगाणुओं को ले जाने वाले साधन के रूप में कार्य करती हैं। यह सामग्री का एक संयोजन है, जो आपकी गंध उत्सर्जित करता है और उन्हें आपके आस-पास जमा करता है।

आपकी गंध आपकी त्वचा से निकलने वाली गैसों में मौजूद वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों से बनी होती है। ये गैसें आपकी त्वचा में ग्रंथियों से निकलने वाले पसीने, तेल और ट्रेस तत्वों का संयोजन हैं। आपकी गंध के प्राथमिक घटक आपकी नस्ल, जातीयता, जैविक लिंग और अन्य लक्षणों जैसे आंतरिक कारकों पर निर्भर करते हैं। तनाव, आहार और बीमारी जैसे कारकों के आधार पर माध्यमिक घटक डगमगा जाते हैं।

हाथ की गंध बता देती है स्वास्थ्य का हाल

- **आपकी गंध एक जटिल उत्पाद है जो आपके आनुवंशिकी सहित कई कारकों से प्रभावित होती है। शोधकर्ताओं का मानना है कि जीन का एक विशेष समूह, प्रमुख हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स, गंध उत्पादन में एक बड़ी भूमिका निभाता है। ये जीन शरीर की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में शामिल होते ह**
- **जैसे ही पसीना, तेल और अन्य स्राव आपकी त्वचा की सतह पर आते हैं, सूक्ष्म जीव टूट जाते हैं और इन यौगिकों को बदल कर इनमें उन गंधों को जोड़ देते हैं जो आपकी खुशबू बनाती हैं**
- **जब आप किसी दूसरे व्यक्ति के करीब होते हैं, तो आप उन्हें छुए बिना ही उनके शरीर की गर्मी महसूस कर सकते हैं। आप बहुत करीब आए बिना भी उन्हें सूंघने में सक्षम हो सकते हैं**

खुशबू की पहचान- किसी भी व्यक्ति की गंध को प्रभावित करने वाले इतने सारे कारकों के साथ, आपके शरीर की गंध को एक पहचान विशेषता के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी संदिग्ध की तलाश करने वाली गंध का पता लगाने वाले कुत्ते, जिस व्यक्ति का वे पीछा कर रहे हैं, उसके द्वारा छोड़े गए गंध के निशान का अनुसरण करने के लिए उनके सामने आने वाली सभी तरह की गंध को महसूस कर सकते हैं। यह प्रथा इस धारणा पर निर्भर करती है कि प्रत्येक व्यक्ति की गंध इतनी अलग है कि इसे अन्य लोगों से अलग किया जा सकता है।

किसी का भाई किसी की जान का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 23 सितम्बर को रात आठ बजे जी सिनेमा पर होगा। 'किसी का भाई किसी का जान' में सलमान खान के साथ पूजा हेगड़े,वेंकटेश, भूमिका चावला, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम, जस्सी गिल, शहनाज गिल, पलक तिवारी और विनाली भटनागर जैसे कलाकार हैं। इस फिल्म में बड़े पर्दे के जाने-माने प्रेम और सुमन की मशहूर जोड़ी यानी सलमान खान और भाग्यश्री भी 34 साल बाद एक साथ नजर आएंगे। फिल्म के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर को लेकर सलमान खान ने कहा, जब मैने पहली बार किसी का भाई किसी की जान की स्क्रिप्ट सुनी तो मुझे यह तुरंत ही पसंद आ गई थी। भाईजान का किरदार ऐसा है, जिससे मैं निजी तौर पर भी जुड़ता हूं। उसके भाइयों के लिए उसका प्यार और जिस तरह वो अपने होने वाले सास-ससुर और उनके परिवार की रक्षा के लिए हर हद से गुजरता है, वो चीज मुझे बहुत अच्छी लगी।

'जाने जान' जैसी कास्ट जिम्मेदारी बढ़ा देती है : सुजॉय घोष

मुंबई (आईएएनएस)। अपकमिंग फिल्म 'जाने जान' अपनी शानदार कास्टिंग के कारण चर्चा में बनी हुई है। इस फिल्म में करीना कपूर, जयदीप अहलावत और विजय वर्मा शामिल हैं। फिल्म के निर्देशक सुजॉय घोष को मानना है कि जब आपको इस तरह की कास्ट मिलती है, तो आपकी जिम्मेदारी बढ़ जाती है। फिल्म की कास्टिंग प्रक्रिया के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा, कास्टिंग के लिए किताब से ही काफी मदद मिली। नरेन एक ऐसा किरदार है जो भारी कद काठी का है, जो मार्शल आर्ट जानता है और गणित में रुचि रखता है। उन्होंने अपने जीवन में अपना ख्याल नहीं रखा है।

कुली की शूटिंग के दौरान लगी चोट का जिक्र कर भावुक हुए अमिताभ

प्रशंसकों का प्यार कभी नहीं भुला सकता : अमिताभ बच्चन

नई दिल्ली (आईएएनएस)। फिल्म कुली की शूटिंग के दौरान चोट लगने की घटना को याद करते हुए मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने कहा कि वह अपने शुभचिंतकों और प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने तब उनके स्वास्थ्य और ठीक होने के लिए प्रार्थना की थी। 1983 की एक्शन कॉमेडी फिल्म कुली मनमोहन देसाई द्वारा निर्देशित और कादर खान द्वारा लिखित है। फिल्म में अमिताभ बच्चन ने रेलवे कुली इकबाल असलम खान की भूमिका निभाई है, जो जफर (कादर खान) के जुनून के कारण अपनी मां सलमा (वहीदा रहमान) से अलग हो गया था, जो उसके परिवार के विनाश और उसके मानसिक टूटने का कारण बनता है। वर्षों बाद भाग्य उसके बेटों, इकबाल और सनी (ऋषि कपूर) को एकजुट करता है और वे सलमा को जफर की कैद से बचाने के लिए निकल पड़ते हैं। इसमें रति अग्निहोत्री, शोमा आनंद, सुरेश ओबेरॉय और पुनीत इस्सर भी हैं। यह फिल्म पुनीत के साथ एक लड़ाई के दृश्य के लिए जानी जाती है, जिसके दौरान अमिताभ बच्चन को लगभग घातक चोट लगी थी।

क्विज-आधारित रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सीजन 15 के 28वें एपिसोड में अमिताभ बच्चन ने उत्तर प्रदेश के अन्वाक से जसनील कुमार का हॉट सीट पर स्वागत किया। प्रतियोगी ने कहा, सर, मैं कुछ साझा करना चाहता हूं, उज्जैन में और बनारस के काशी विश्वनाथ मंदिर में अनुष्ठान आयोजित किए जाते हैं। जब भारत विश्व कप फाइनल में हो, या जब भारत-पाकिस्तान मैच हो, हम तब भी अनुष्ठान करते हैं जब सदी का सबसे महान अभिनेता बीमार पड़ जाए। उन्हें जवाब देते हुए अमिताभ ने कहा, बहुत-बहुत धन्यवाद।

'पशमीना - धागे मोहब्बत के' में मां बनेंगी गौरी तेजवानी

मुंबई (आईएएनएस)। टेलीविजन शो 'पश्मीना-धागे मोहब्बत के' में अभिनेत्री गौरी तेजवानी, शो के मुख्य किरदार पश्मीना की मां की भूमिका में नजर आएंगी। यह शो कश्मीर की सुंदर घाटी की अद्भुत प्राकृतिक सुंदरता के साथ प्रेम की एक खूबसूरत गाथा पेश करता है। 'पश्मीना-धागे मोहब्बत के' में पाश्मीना औरराघव की भूमिकाएं निभाते हुए, ईशा शर्मा और निशांत मलकानी उन पात्रों में जान डाल देते हैं। शो में गौरी पश्मीना की मां प्रीति सूरी की अहम भूमिका है। प्रीति एक मजबूत, स्वतंत्र महिला हैं और जीवन भर अपनी बेटी के समर्थन का स्तंभ रही हैं। आत्मनिर्भरता में उनके विश्वास ने पश्मीना को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनने के लिए सशक्त बनाया है।

नेपोटिज्म पर बहस ने बेहतर अभिनेता और इंसान बनाया : राजवीर

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सनी देओल के छोटे बेटे अभिनेता राजवीर देओल फिल्म 'दोनों' से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेपोटिज्म की बहस ने उन्हें एक बेहतर अभिनेता और इंसान बनने के लिए प्रेरित किया है। अभिनेता राजवीर, पूनम ढिल्लों की बेटी पलोमा के साथ बॉलीवुड डेब्यू की तैयारी कर रहे हैं, जो फिल्म 'दोनों' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत कर रही हैं। फिल्म 'दोनों' सूरज बड़जात्या के बेटे अवनीश बड़जात्या के निर्देशन की पहली फिल्म भी है। फिल्म के ट्रेलर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और सभी को राजवीर और पलोमा की केमिस्ट्री काफी पसंद आ रही है। राजवीर ने फिल्म के बारे में बताया कि कैसे उन्होंने भूमिका के लिए खुद को तैयार किया। 'नेपोटिज्म' जैसे चर्चित विषय पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा कि मैंने इस विषय पर नहीं सोचा है। मुझे लगता है कि नेपोटिज्म की बहस ने मुझे एक बेहतर अभिनेता और इंसान बनने के लिए प्रेरित किया है।

जलवायु पर मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं : गुटेरेस

चेतावनी दी कि अगर कुछ नहीं बदला, तो दुनिया 2.8 डिग्री तापमान वृद्धि की ओर बढ़ रही है, एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर

संयुक्त राष्ट्र (आईएएनएस)। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है कि जलवायु पर मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। जलवायु महत्वाकांक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान गुटेरेस ने कहा, मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भीषण गर्मी का भयानक प्रभाव पड़ रहा है। व्याकुल किसान बाढ़ में बह गई फसलों को देख रहे हैं। तापमान में वृद्धि से बीमारियां फैल रही हैं और आग लगने से हजारों लोग पलायन कर रहे हैं। चुनौती के पैमाने के सामने जलवायु संबंधी कार्रवाई बौनी हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कुछ नहीं बदला, तो दुनिया 2.8 डिग्री तापमान वृद्धि की ओर बढ़ रही है, एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर। उन्होंने वैश्विक तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री तक सीमित करने के लिए जलवायु कार्रवाई का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर कदम बहुत धीमा है। हमें पैर-खींचने, हाथ-मोड़ने और जीवाश्म ईंधन से अरबों की कमाई करने वाले निहित स्वार्थों के नग्न लालच में बर्बाद हुए समय की भरपाई करनी चाहिए। प्रस्तावित जलवायु एकजुटता संधि में प्रमुख उत्सर्जकों, जिन्होंने जीवाश्म ईंधन

से सबसे अधिक लाभ उठाया है, से उत्सर्जन में कटौती के लिए अतिरिक्त प्रयास करने और अमीर देशों से ऐसा करने के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं का सहयोग करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित देशों को 2040 तक और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुंचना चाहिए। विश्वास के पुनर्निर्माण के लिए परिवर्तन की आवश्यकता है। सरकारों को जलवायु कार्रवाई का समर्थन करने के लिए वैश्विक वित्तीय प्रणाली को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा, इसका मतलब है कार्बन पर कीमत लगाना और बहुपक्षीय विकास बैंकों के बिजनेस मॉडल में बदलाव लाना, ताकि वे विकासशील देशों को उचित लागत पर अधिक वित्तीय सहयोग कर सकें। सभी पक्षों को इस वर्ष के संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में हानि और क्षति कोष का संचालन करना चाहिए।

विकसित देशों को विकासशील देशों के लिए 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर की प्रतिबद्धता को पूरा करना होगा, ग्रीन क्लाइमेट फंड की भरपाई करनी होगी और अनुकूलन निधि को दोगुना करना होगा। गुटेरेस ने कहा, और 2027 तक सभी को प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली द्वारा कवर किया जाना चाहिए।

- भीषण गर्मी का भयानक प्रभाव पड़ रहा है। व्याकुल किसान बाढ़ में बह गई फसलों को देख रहे हैं। तापमान में वृद्धि से बीमारियां फैल रही हैं और आग लगने से हजारों लोग पलायन कर रहे हैं
- प्रस्तावित जलवायु एकजुटता संधि में प्रमुख उत्सर्जकों, जिन्होंने जीवाश्म ईंधन से सबसे अधिक लाभ उठाया है, से उत्सर्जन में कटौती के लिए अतिरिक्त प्रयास करने और अमीर देशों से ऐसा करने के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं का सहयोग करने का आह्वान किया गया है
- विकसित देशों को 2040 तक और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को 2050 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन तक पहुंचना चाहिए

43 वर्ष की हुईं करीना कपूर

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री करीना कपूर आज 43 वर्ष की हो गयी। 21 सितंबर 1980 को मुंबई में जन्मीं करीना कपूर को अभिनय की कला विरासत में मिली। उनके पिता रणधीर कपूर अभिनेता जबकि मां बबीता और बहन करिश्मा कपूर जानी मानी फिल्म अभिनेत्री हैं। घर में फिल्मी माहौल रहने के कारण करीना अक्सर अपनी बहन के साथ शूटिंग देखने जाया करती थीं। इस वजह से उनका भी रूझान फिल्मों की ओर हो गया और वह भी अभिनेत्री बनने के ख्वाब देखने लगीं। करीना कपूर ने बतौर अभिनेत्री अपने सिने करियर की शुरूआत वर्ष 2000 में प्रदर्शित फिल्म रिफ्यूजी से की। इस फिल्म में उनके नायक की भूमिका अभिषेक बच्चन ने निभायी थी जो उनकी भी पहली फिल्म थी। हालांकि फिल्म टिकट खिड़की पर कोई खास कमाल नही दिखा सकी।

वर्ष 2001 में प्रदर्शित फिल्म मुझे कुछ कहना है करीना के करियर की पहली सुपरहिट फिल्म साबित हुयी। वर्ष 2001 में करीना को सुभाष घई की फिल्म यादें में काम करने का अवसर मिला लेकिन कमजोर पटकथा के कारण यह फिल्म टिकट खिड़की पर औंधे मुंह गिर गई। हालांकि उस वर्ष उनकी कभी खुशी कभी गम और अजनबी. जैसी सुपरहिट फिल्में भी प्रदर्शित हुयी लेकिन कामयाबी का श्रेय इन फिल्मों के अभिनेताओं को अधिक दिया गया।वर्ष 2002 में करीना कपूर के करियर के लिये महत्वपूर्ण वर्ष साबित हुआ।

खबर संक्षेप

एमजी मोटर भारत में लगा सकती है दूसरा संयंत्र

कोलकाता। चीन की कार निर्माता कंपनी एमजी मोटर इंडिया देश में दूसरा संयंत्र स्थापित करने की संभावना तलाश रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वर्तमान में कंपनी का गुजरात के हलोल में एक विनिर्माण संयंत्र है जहां उत्पादन क्षमता 1.2 लाख यूनिट प्रति वर्ष है। 'हम भारत में दूसरा संयंत्र लगाने का विकल्प तलाश रहे हैं।

श्नाइडर 3200 करोड़ 2026 तक करेगी निवेश

नई दिल्ली। श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया ने देश में अपनी उपस्थिति बढ़ाने के लिए 2026 तक 3,200 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बनाई है। कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) दीपक शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ बातचीत में कहा कि यह निवेश नौ राज्यों में किया जाएगा। शर्मा ग्रेटर इंडिया रीजन के अध्यक्ष भी हैं।

अपडेटर ने आईपीओ का मूल्य दायरा तय किया

नई दिल्ली। एकीकृत सुविधा प्रबंधन कंपनी अपडेटर सर्विसेज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 280-300 रुपये प्रतिशेयर तय किया है। कंपनी के लिए आईपीओ 25 सितंबर को खुलेगा और 27 सितंबर को बंद होगा। एंकर निवेशक 22 सितंबर को बोली लगा सकते हैं।

ईएमएस का शेयर 34 फीसदी उछाल के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। पानी एवं जलनिकासी से जुड़ी ढांचागत कंपनी ईएमएस लिमिटेड के शेयर बृहस्पतिवार को 211 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 34 प्रतिशत उछाल के साथ सूचीबद्ध हुए। बीएसई पर शेयर ने 33.43 प्रतिशत के उछाल के साथ 281.55 रुपये पर शुरुआत की। बाद में यह 36.82 प्रतिशत बढ़कर 288.70 रुपये पर पहुंच गए।

सरकार एसजेवीएन में अपनी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एसजेवीएन लि. में सरकार की 4.92 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री पेशकश बृहस्पतिवार को संस्थागत निवेशकों द्वारा बोली लगाने के साथ शुरू हुई। सरकार दो दिवसीय बिक्री पेशकश (ओएफएस) में 69 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर 4.92 प्रतिशत हिस्सेदारी यानी 19.33 करोड़ शेयर बेच रही है।

लिबर्टी इंश्योरेंस में वेद सीईओ नियुक्त

मुंबई। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस ने पराग वेद को अपना सीईओ और बोर्ड का निदेशक नियुक्त करने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी। पराग वेद लिबर्टी के साथ जुड़ने से पहले टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस में 'कंज्यूमर लाइन' के अध्यक्ष रहे चुके हैं। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस की ओर से जारी एक बयान के अनुसार वेद के पास बीमा उद्योग में दो दशकों से अधिक का अनुभव है। वह आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस सहित कई संगठनों में वरिष्ठ पदों पर सेवाएं दे चुके हैं।

आनंद महिंद्रा ने कनाडा को दिया तगड़ा झटका, बंद कर दी अपनी एयरोस्पेस कंपनी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत और कनाडा के बीच अब एक नई तरह की जंग शुरू हो गई है। जिसमें आनंद महिंद्रा भी कूद गए लगते हैं। यही वजह है कि महिंद्रा एंड महिंद्रा ने गुरुवार को कनाडा को तगड़ा झटका देते हुए अपनी कंपनी के ऑपरेशन को बंद कर दिया है। गुरुवार को जानकारी देते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि उसकी कनाडा बेस्ड कंपनी रेसन एयरोस्पेस कॉरपोरेशन के ऑपरेशन को बंद कर दिया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के पास कंपनी की 11.18 फीसदी हिस्सेदारी थी, जिसने स्वैच्छिक रूप से ऑपरेशनल बंद करने के लिए आवेदन किया।

भारत और कनाडा के बीच शुरू हुई नई जंग, महिंद्रा के पास कंपनी की 11.18 फीसदी हिस्सेदारी है

महिंद्रा एंड महिंद्रा को मोटा नुकसान

वहीं दूसरी ओर कंपनी के शेयर में गिरावट आने से कंपनी की वैल्यूएशन में 7200 करोड़ रुपए से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार एक दिन पहले कंपनी का शेयर 1634.05 रुपए पर था और कंपनी का मार्केट कैप 2,03,025.78 करोड़ रुपए था। जबकि आज जब कंपनी का शेयर 1575.75 रुपए के दिन के लोअर लेवल पर पहुंचा तो कंपनी का मार्केट कैप 1,95,782.18 करोड़ रुपए पर आ गया। ऐसे में कंपनी की वैल्यूएशन को 7,243.6 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है।

कंपनी के शेयर में बड़ी गिरावट

इस खबर के बाद से महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली। बाजार बंद होने से 10 मिनट पहले महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर 3 फीसदी की गिरावट के साथ 1584 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। वैसे कारोबारी सत्र के दौरान कंपनी का शेयर साढ़े तीन फीसदी की गिरावट के साथ 1575.75 रुपये के साथ दिन के लोअर लेवल पर भी गया. जबकि एक दिन पहले कंपनी का शेयर 1634.05 रुपए पर बंद हुआ था।

इस फैसले के बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपना एक बयान जारीकर यह जानकारी दी।

एमएंडएम का बयान

महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा कि रेसन कॉर्पोरेशन कनाडा से 20 सितंबर 2023 को कामकाज बंद करने की मंजूरी के लिए आवश्यक दस्तावेज मिल गए, जिसकी सूचना कंपनी को दी गई। कंपनी ने बताया कि इसके बाद रेसन ने अपना संचालन बंद कर दिया। वह 20 सितंबर 2023 से कंपनी की सहयोगी नहीं है।

- परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में करीब 55 फीसदी की गिरावट
- बचत गिरकर जीडीपी के 5 .1 प्रतिशत पर आ गई
- कर्ज का बोझ दोगुना से अधिक होकर 15 .6 लाख करोड़ रुपए

एसबीआई रिसर्च ने अपने विश्लेषण में दी जानकारी

बीते वित्त वर्ष में परिवारों पर कर्ज का बोझ हुआ दोगुना, बचत हुई आधी

एजेंसी ⏭ मुंबई

एसबीआई रिसर्च की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू बचत से निकासी का एक बड़ा हिस्सा भौतिक संपत्तियों में चला गया है और 2022-23 में इनपर कर्ज भी 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इनमें से 7.1 लाख करोड़ रुपये आवास ऋण एवं अन्य खुदरा कर्ज के रूप में बैंकों से लिया गया है।

बचत पिछले पांच दशक में सबसे कम

पिछले वित्त वर्ष में घरेलू बचत गिरकर जीडीपी के 5.1 प्रतिशत पर सिमट गई, जो पिछले पांच दशक में सबसे कम है। वित्त वर्ष 2020-21 में घरेलू बचत जीडीपी के 11.5 प्रतिशत के बराबर थी, जबकि महामारी से पहले 2019-20 में यह 7.6 प्रतिशत थी।

बचत का गिरना चिंता का विषय

सामान्य सरकारी वित्त और गैर-वित्तीय कंपनियों के लिए कोष जुटाने का सबसे महत्वपूर्ण जरिया घरेलू बचत ही होती है। ऐसे में परिवारों की बचत का गिरना चिंता का विषय हो सकता है।
राष्ट्रीय खातों में घरेलू क्षेत्र के भीतर व्यक्तियों के अलावा खेती एवं गैर-कृषि व्यवसाय जैसे सभी गैर-सरकारी, गैर-कॉरपोरेट उद्यम, एकल स्वामित्व एवं भागीदारी जैसे प्रतिष्ठान और गैर-लाभकारी संस्थान आते हैं।

पिछले वित्त वर्ष 2022-23 में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत करीब 55 प्रतिशत गिरकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 5.1 प्रतिशत पर आ गई, जबकि इन परिवारों पर कर्ज का बोझ दोगुना से भी अधिक होकर 15.6 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। नवीनतम आधिकारिक आंकड़ों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली है।

बीमा और भविष्य निधि कोष में हुई बढ़ोतरी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने कहा कि महामारी के बाद से परिवारों की वित्तीय देनदारियां 8.2 लाख करोड़ रुपये बढ़ गईं, जो सकल वित्तीय बचत में हुई 6.7 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि से अधिक है। इस अवधि में परिवारों की संपत्ति के स्तर पर बीमा और भविष्य निधि एवं पेंशन कोष में 4.1 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई।

निम्न ब्याज दर व्यवस्था के कारण ऐसा हुआ

घोष ने कहा कि यह संभवतः निम्न ब्याज दर व्यवस्था के कारण ऐसा हुआ है। इससे पिछले दो वर्षों में घरेलू वित्तीय बचत का स्वरूप घरेलू भौतिक बचत में बदल गया है। उन्होंने कहा कि वित्तीय परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी घटने से वित्त वर्ष 2022-23 में भौतिक परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत तक पहुंच जाने की उम्मीद है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में आया सुधार

घोष का यह भी मानना है कि रियल एस्टेट क्षेत्र में सुधार और संपत्ति की कीमतें बढ़ने से भौतिक संपत्तियों की ओर रुझान बढ़ा है। महामारी के दौरान घरेलू ऋण एवं जीडीपी का अनुपात बढ़ा था लेकिन अब उसमें गिरावट आई है। मार्च, 2020 में यह अनुपात 40.7 प्रतिशत था लेकिन जून, 2023 में यह घटकर 36.5 प्रतिशत पर आ गया।

परिवार की देनदारी में वृद्धि

वहीं परिवारों की देनदारी के स्तर पर हुई 8.2 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि में 7.1 लाख करोड़ रुपये वाणिज्यिक बैंकों से घरेलू उधारी का नतीजा है। पिछले दो साल में परिवारों को दिए गए खुदरा ऋण का 55 प्रतिशत आवास, शिक्षा और वाहन पर खर्च किया गया है।

लगातार तीसरे दिन धड़ाम हुआ शेयर बाजार

एजेंसी ⏭ मुंबई

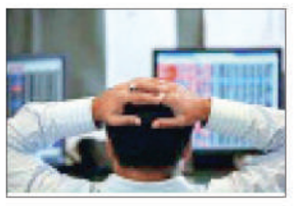

- तीन दिनों में निवेशकों के 5 .5 लाख करोड़ रुपए डूबे
- सेंसेक्स 571 अंक और निफ्टी 159 अंक टूटा
- वैश्विक बाजारों में रही कमजोरी

स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहा और बीएसई सेंसेक्स 570.60 अंक का गोता लगा गया। वैश्विक बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच निवेशकों ने वाहन, बैंक और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में बिकवाली की, जिससे बाजार नीचे आया।

अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के महंगाई को काबू में रखने के लिये इस साल नीतिगत दर में एक बार और वृद्धि के संकेत से वैश्विक बाजारों में गिरावट आई। बैंक ऑफ इंग्लैंड ने ब्याज दरों में करीब दो साल से जारी बढ़ोतरी पर विराम लगाया। केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को अपनी मुख्य ब्याज दर को 15 साल के उच्चतम स्तर 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखा। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 570.60 अंक की गिरावट के साथ 66,230.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 672.13 अंक तक लुढ़क गया था। निफ्टी भी 159.05 अंक टूटकर 19,742.35 अंक पर बंद हुआ।

एसबीआई, अट्राटेक रहे नुकसान में

सेंसेक्स के शेयरों में आईसीआईसीआई बैंक में सर्वाधिक 2.81 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक और पावर ग्रिड के शेयर भी नुकसान में रहे।

निवेशकों के 5.5 लाख करोड़ रुपए डूबे

वैश्विक बाजारों में गिरावट और विदेशी पूंजी की निकासी के बीच घरेलू शेयर बाजारों में तीन कारोबारी सत्रों के भीतर निवेशकों के 5.50 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। चौतरफा गिरावट के इस दौर में बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5,50,376.85 करोड़ रुपये गिरकर 3,17,90,603.86 करोड़ रुपये पर आ गया।

पियोजियो प्रीमियम दोपहिया वाहन खंड में करेगी विस्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- अप्रिलिया आरएस 457 के जरिए मोटरसाइकिल खंड में किया प्रवेश

इटली के पियाजियो समूह का लक्ष्य भारत में प्रीमियम दोपहिया वाहन खंड में अपनी उपस्थिति बढ़ाना है, क्योंकि कंपनी ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक सुविधा संपन्न विकल्प तलाश रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

कंपनी उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी पियाजियो व्हीकल्स के जरिए भारत में मौजूद है। उसने अप्रिलिया आरएस 457 का अनावरण करके बढ़ते मध्यम आकार के मोटरसाइकिल खंड में प्रवेश किया। कंपनी पहले से ही देश में अप्रिलिया और वेस्पा ब्रांड के तहत पांच प्रीमियम स्कूटर मॉडल बेचती है। पियाजियो व्हीकल्स के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डिएगो ग्राफी ने कहा, ' हमने देखा है कि अधिक से अधिक ग्राहक आवाजाही के लिए अपनी आवश्यकता को पूरा करने के लिए कुछ और संतोषजनक चाहते हैं। वे हर सुविध से संपन्न मॉडल की तलाश में हैं, यह चलन विभिन्न देशों में पहले से ही मौजूद है।' ग्राफी ने कहा कि भारतीय उपभोक्ताओं की अपेक्षाएं बढ़ी हैं क्योंकि वे एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए आम वाहन से कुछ अधिक की तलाश करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ रही है।

प्रमुख शहरों में बिक्री जारी

ग्राफी ने कहा कि कंपनी भारत में अगले साल जनवरी के आसपास प्रमुख शहरों में चुनिंदा दुकानों से अप्रिलिया आरएस 457 की बिक्री शुरू करेगी। स्कूटर की बिक्री के बारे में पूछे जाने पर ग्राफी ने कहा, 'हम इस वित्त वर्ष में 60,000-70,000 स्कूटर बेचने का लक्ष्य रखने जा रहे हैं। यह प्रीमियम खंड में मौजूदगी बढ़ाने की हमारी रणनीति के अनुरूप है।'

टाटा रिन्यूएबल नेपाल के बाजार में उतरी

नई दिल्ली। नवीकरणीय समाधान प्रदाता कंपनी टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी ने नेपाल में नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम को गति देने के लिए स्थानीय कंपनी डुगर पावर के साथ समझौता किया है। टाटा पावर ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह गठजोड़ नेपाल के तेजी से विकसित हो रहे नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में टीपीआरईएल के रणनीतिक प्रवेश की शुरुआत है और स्थायी ऊर्जा की ओर नेपाल के बदलाव को गति देने में एक लंबी छलांग के लिए मंच तैयार करता है। बयान के अनुसार, 'टीपीआरईएल ने नेपाल के प्रमुख औद्योगिक समूह डुगर की अनुषंगी इकाई डुगर पावर प्राइवेट लिमिटेड (डुगर पावर) के साथ करार किया है।' यह साझेदारी ऑन और ऑफ-ग्रिड ऊर्जा समाधानों की एक श्रृंखला का उत्पादन करने और क्षेत्र में ऊर्जा स्थिरता के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता की शुरुआत करने के लिए परिवर्तनकारी सौर प्रौद्योगिकियों के लिए तैयार है।

स्वीडन के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत दर बढ़ाई

एजेंसी ⏭ स्टॉकहोम

- ब्याज दर चार प्रतिशत की, और बढ़ोतरी का संकेत

स्वीडन के केंद्रीय बैंक ने बृहस्पतिवार को अपनी प्रमुख ब्याज दर में बढ़ोतरी करते हुए कहा कि देश की अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीतिक दबाव अब भी बहुत अधिक हैं। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस तरह के संकेत मिल रहे हैं कि महंगाई अब नीचे आ रही है। 'द रिक्सबैंक' ने अपनी नीतिगत दर को चौथाई प्रतिशत बढ़ाकर चार प्रतिशत कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसके अनुमानों से संकेत मिले हैं कि इसे और बढ़ाया जा सकता है। बैंक की ओर से जारी बयान के अनुसार, 'स्वीडन में भी महंगाई कम हो रही है। ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि की दर काफी धीमी हो गई है, जो सकारात्मक है।' बैंक ने कहा, 'हालांकि मुद्रास्फीति का दबाव अब भी बहुत अधिक है।' यह देखते हुए कि सेवाएं अब भी महंगी हो रही हैं स्वीडन की मुद्रा 'क्रोना' कमजोर है। स्वीडन की मुद्रा यूरो और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले अबतक के सबसे निचले स्तर पर आ गई है।

उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रहा

बैंक ने कहा, 'यह सुनिश्चित करने के लिए कि मुद्रास्फीति में गिरावट जारी रहे और यह उचित समय के भीतर लक्ष्य के आसपास स्थिर हो जाए, मौद्रिक नीति को और कड़ा करने की जरूरत है।' स्वीडन उच्च मुद्रास्फीति से जूझ रहा है अगस्त में यह 7.5 प्रतिशत थी, जबकि जुलाई में यह 9.3 प्रतिशत रही थी।

सोने में 130 रुपए की गिरावट, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में गुरुवार को सोना 130 रुपये की गिरावट के साथ 60,170 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, चांदी की कीमत 74,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर अपरिवर्तित बनी रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने कहा, 'बृहस्पतिवार को सोना कीमतों में गिरावट आई।

चीन से सस्ते ड्रॉअर स्लाइडर की डंपिंग की जांच शुरू

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

- डंपिंग की डीजीटीआर ने पड़ताल शुरू की

चीन से सस्ते ड्रॉअर स्लाइडर की देश में कथित रूप से डंपिंग किए जाने के मामले में व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पड़ताल शुरू कर दी है।
वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डीजीटीआर ने चीन में निर्मित टेलीस्कोपिक चैनल वाले ड्रॉअर स्लाइडर की भारत में डंपिंग की जांच शुरू की है। यह कार्रवाई हाईहोप फर्निचर फिटिंग्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड से मिली शिकायत पर की गई है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि चीन से सस्ता ड्रॉअर स्लाइडर भारतीय बाजार में खपाने के पर्याप्त प्राथमिक साक्ष्य मौजूद हैं। इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। महानिदेशालय ने कहा कि चीन में इन उत्पादों का सामान्य मूल्य उनके निर्यात मूल्य से अधिक है।यह संकेत देता है कि इन उत्पादों को चीन के निर्यातक भारतीय बाजार में सस्ते दाम पर खपाने की कोशिश कर रहे हैं। इन पहलुओं को ध्यान में रखते हुए डीजीटीआर स्वतः संज्ञान लेकर डंपिंग-रोधी जांच शुरू कर रहा है।

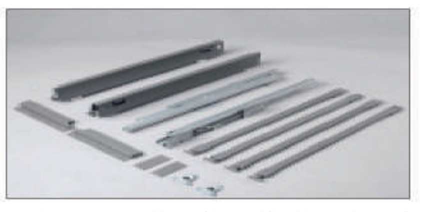

घरेलू उद्योगों को नुकसान होने की बात

डंपिंग की वजह से घरेलू उद्योगों को नुकसान होने की बात साबित हो जाती है तो महानिदेशालय ड्रॉअर स्लाइडर के आयात पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा वित्त मंत्रालय से करेगा। भारत पहले ही चीन से आयात किए जाने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

- आलोचना को नए सिरे से मंत्रालय ने किया खारिज
- अन्य वित्तीय उत्पादों में हो रहा निवेश

घरेलू बचत में कमी संकट की बात नहीं: वित्त मंत्रालय

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने घरेलू बचत में गिरावट को लेकर हो रही आलोचनाओं को गुरुवार को नकारते हुए कहा कि लोग अब दूसरे वित्तीय उत्पादों में निवेश कर रहे हैं और 'संकट जैसी कोई बात नहीं है।' मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी बयान में घरेलू बचत में पिछले कई दशकों में आई सबसे बड़ी गिरावट और इसका अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर की जा रही आलोचनाओं को सिरे से खारिज कर दिया।

उपभोक्ताओं का रुझान वित्तीय उत्पादों की ओर

बयान के मुताबिक, 'घरेलू बचत में गिरावट और अर्थव्यवस्था पर इसके प्रभाव को लेकर हाल में आलोचना की गयी है। हालांकि आंकड़ों से पता चलता है कि उपभोक्ताओं का रुझान अब विभिन्न वित्तीय उत्पादों की ओर है। और यही कारण है कि घरेलू बचत कम हुई है। कुछ तबकों में जताई जा रही चिंता जैसी कोई बात नहीं है।'

घरेलू बचत 47 वर्षों के निचले स्तर पर

भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा मासिक बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि शुद्ध घरेलू बचत वित्त वर्ष 2022-23 में सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत रही जो पिछले 47 वर्षों का निचला स्तर है। इससे एक साल पहले यह 7.2 प्रतिशत थी। दूसरी तरफ घरेलू क्षेत्र की सालाना वित्तीय देनदारी बढ़कर 5.8 प्रतिशत हो गयी जो 2021-22 में 3.8 प्रतिशत थी।

वित्तीय देनदारी 42 फीसदी बढ़ी

वित्त मंत्रालय ने कहा कि जून 2020 और मार्च 2023 के बीच घरेलू सकल वित्तीय परिसंपत्तियां 37.6 प्रतिशत बढ़ी। वहीं घरेलू सकल वित्तीय देनदारी 42.6 प्रतिशत बढ़ी। इन दोनों के बीच कोई बड़ा अंतर नहीं है। मंत्रालय ने कहा, परिवारों के स्तर पर वित्त वर्ष 2020-21 में 22.8 लाख करोड़ की शुद्ध वित्तीय परिसंपत्ति जोड़ी गयी।

बिजनेस साइट

मैजिक ग्लोमोर व ग्लोमैक्स की चमक ने पेन्ट्स की दुनिया में बनी पहली पसंद

- कंपनी के चार ब्रांच से हो रहे प्रोडक्शन की प्रदेश ही नहीं देश में भी डिमांड

रायपुर। छत्तीसगढ़ की डेकोरेटिव पेन्टर बनाने वाली कंपनी मैजिक पेन्ट्स इन दिनो प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में आम लोगों के साथ बिल्डर्स व सरकारी संस्थानों की पहली पसंद है। रायपुर सहित प्रदेश में मैजिक पेन्ट्स के चार ब्रांच में उत्पादन होने वाले सबसे चमकदार पेन्ट्स के रूप में ग्लोमोर के साथ ग्लोमैक्स ने भी रंगो की दुनिया में धूम मचा रखा है।

इसको लेकर मैजिक पेन्ट्स के संचालक फरहत अब्बास बताते हैं कि इस मुकाम तक पहुंचने के पिछे 26 साल की मेहनत और ग्राहकों का भरोसा जुड़ा है। इसे कायम रखने के लिए हर साल कुछ नया करने का प्रयास करते हैं। इसका परिणाम यह है अभी तक देश में 15 सौ और प्रदेश में कंपनी के प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता पर भरोसा करने वाले 700 से ज्यादा डिलर्स ने कलर की 500 से ज्यादा वेरायटी को लोगों तक पहुंचाने में सहभागिता निभाते आ रहे हैं।

कंपनी के पास ट्रैक्चर की कई वेरायटी : बदलते दौर के हिसाब से कंपनी ने मैजिक सेन्च्यूरा नाम से ट्रैक्चर की कई विस्तृत रेंज भी बाजार में उतारा है। इनमें परवेला डिजाइन, स्टोन आर्ट जैसे कई सारे डिजाइनों को शामिल किया गया है। कंपनी ने इसका प्रदर्शन मौका मिलने पर एक्सपो में भी करता है। इसे एक्सपों में देखने और परखने के बाद नए डेवलपर्स से भी अच्छा रिस्पॉस मिलता है। कंपनी ने त्योहारी सीजन को देखते हुए डीलर्स के माध्यम से इस बार भी बाजार में विस्तृत रेंज के साथ लोगों के भरोसे को कायम रखने का प्रयास करेगा, ताकि लोगों से मिलने वाला रिस्पॉस कायम रखा जा सके।

वर्ल्डकप की तैयारियों को परखने का मौका

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की सीरीज का पहला वनडे आज, प्रसारण दोपहर 1.30 बजे से स्पोर्ट्स 18 पर

चंडीगढ़। मोहाली के आईएस बिंद्रा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की वनडे श्रृंखला का पहला मैच शुक्रवार को खेला जाएगा। यह मैच डे-नाइट होगा। इसके लिए दोनों टीमें चंडीगढ़ पहुंच चुकी हैं। दोनों क्रिकेट टीमें चंडीगढ़ के आईटी पार्क स्थित होटल में रुकी हुई हैं। उनकी सुरक्षा को लेकर चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं।

वहीं इस मुकाबले से ऑस्ट्रेलिया टीम के ग्लेन मैक्सवेल और मिशेल स्टार्क अपनी फिटनेस के कारण टीम से बाहर हो गए है, जबकि पिछले दिनों से टीम से बाहर रह रहे स्टीव स्मिथ को टीम में जगह मिली है। टीम ऑस्ट्रेलिया का कहना है कि उन्होंने अपनी टीम में चार फ्रंटलाइन गेंदबाजों को चुना है। वे हर परिस्थिति में गेंदबाजी कर सकते हैं। विशेष रूप से जंपा न केवल रन रेट ठीक रखते हैं, बल्कि डेथ ओवरों में विकेट लेने में भी प्रभावी हैं।

वर्ल्डकप को देखते हुए पूरी ताकत के साथ आई कंगारू टीम

भारत के खिलाफ इस वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम पूरी ताकत के साथ आई है, क्योंकि इसी टीम को सीरीज के बाद भारत में ही वर्ल्डकप भी खेलना है। हालांकि 28 सितंबर से पहले वर्ल्डकप की सभी टीमों में बदलाव की गुंजाइश है। 18 सदस्यीय ऑस्ट्रेलियाई टीम की कप्तानी पैट कमिंस करेंगे, जो चोट के चलते साउथ अफ्रीका दौरे से बाहर रहे थे। टीम में ट्रेविस हेड को भी जगह नहीं मिली है। हेड को साउथ अफ्रीका के खिलाफ चौथे वनडे मुकाबले के दौरान बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। हेड की जगह ओपनर मैथ्यू शॉर्ट को स्क्वॉड में जगह मिली है। कंगारू टीम में ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क की टीम में वापसी हुई है। ये तीनों खिलाड़ी भी इंजरी के चलते साउथ अफ्रीकी दौरे से बाहर रहे थे।

स्टार खिलाड़ियों के बिना उतरेगी भारतीय टीम

एशिया कप में जीत के बाद भारतीय टीम के विराट कोहली, रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या को आराम दिया गया है। इस मैच में कप्तानी की कमान केएल राहुल के हाथों में होगी। मैच में उप कप्तान की भूमिका रविंद्र जडेजा निभाएंगे।

मैच पर बारिश का साया

पहले वनडे पर बारिश का भी खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि मौसम विभाग की तरफ से शुक्रवार को चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में बारिश के आसार बताए गए हैं। पिछले कई दिनों से ट्राईसिटी को मौसम विभाग ने आइसोलेशन जोन में रखा था, लेकिन शुक्रवार को गरज और चमक के साथ यहां पर बारिश की संभावना जताई है।

इस मैच के दौरान पहली बार दर्शकों को शटल बस की सेवा

भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच में होने वाले इस मैच के दौरान पहली बार दर्शकों को शटल बस सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। मोहाली प्रशासन ने पार्किंग की व्यवस्था स्टेडियम से काफी दूर की है। इस कारण लोगों को स्टेडियम तक पहुंचने में काफी समय लगता था। इसको देखते हुए पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की तरफ से इस बार पार्किंग स्थल से स्टेडियम तक शटल बस सेवा उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं...

भारतीय टीम

केएल राहुल (कप्तान, विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, वॉशिंगटन सुंदर, रविचंद्रन अश्विन, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम

पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश हेजलवुड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वॉर्नर, एडम जम्पा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया वनडे सीरीज हेड-टु-हेड

कुल सीरीज	ऑस्ट्रेलिया जीता	भारत जीता
14	08	06

भारत में वनडे सीरीज हेड-टु-हेड

कुल सीरीज	ऑस्ट्रेलिया जीता	भारत जीता
11	06	05

वनडे सीरीज का पूरा शेड्यूल

पहला वनडे	22 सितंबर	मोहाली
दूसरा वनडे	24 सितंबर	इंदौर
तीसरा वनडे	27 सितंबर	राजकोट

भारतीय महिलाएं एशियाड क्रिकेट के सेमीफाइनल में

एशियाई खेल 2023: बारिश की भेंट चढ़ा भारत-मलेशिया क्वार्टरफाइनल

हांगझोउ, एजेंसी। एशियाई खेल 2023 में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मलेशिया के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया, लेकिन अधिक वरीयता की वजह से भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। एशियाई खेल में पदार्पण कर रहे भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 173/2 का स्कोर बनाया और झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी पिंगफेंग क्रिकेट फील्ड में बारिश के कारण खेल रुकने से पहले मलेशिया का स्कोर 1/0 रहा। एशियाई खेल 2023 में महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत शीर्ष वरीयता प्राप्त है। भारत की तरफ से मौजूदा कप्तान स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शानदार शुरुआत की। पहले विकेट के लिए दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। छठे ओवर में स्मृति मंधाना 16 गेंदों पर 27 रन के निजी स्कोर पर माहिरा इज़्ज़ती इस्माइल की गेंद पर कैच आउट हुईं। इसके दो गेंद बाद ही बारिश ने मैच में ख़लल डाल दिया। मैच तक़रीबन एक घंटा और 15 मिनट बाद दोबारा शुरू हुआ। बारिश की वजह से अब यह मैच 20 की जगह 15 ओवर का हो गया। शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स ने तूफानी बल्लेबाजी का मुज़ाहिरा करते हुए तेज़ी से रन बटोरने शुरू किए। शेफाली वर्मा 67 रन बनाकर मास अलीसा का शिकार बनीं। इसके बाद रिचा घोष ने सात गेंदों पर नाबाद 21 रनों की पारी खेली। जबकि जेमिमा रोड्रिग्स ने 29 गेंदों पर नाबाद 47 रन बनाए। इसके साथ भारत ने 15 ओवर में 173/2 का विशाल स्कोर खड़ा किया। मलेशिया की टीम अपनी पारी में सिर्फ दो गेंद ही बल्लेबाजी कर पाई। बारिश की वजह से मैच को रोकना पड़ा और आख़िर में यह मैच अंपायरों द्वारा रद्द घोषित कर दिया गया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अधिक वरीयता के कारण सेमीफाइनल में प्रवेश करने में कामयाब रही।

सेमीफाइनल मुकाबला 24 को

भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब अपना सेमीफाइनल मुकाबला रविवार, 24 सितंबर को बांग्लादेश और हांग-कांग टीम के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल-4 मैच की विजेता टीम के साथ खेलेगी।

संक्षिप्त स्कोर

भारत- 15 ओवर में 173/2 (शेफाली वर्मा 67, जेमिमा रोड्रिग्स 47)

मलेशिया-0.2 ओवर में 1/0

प्रदेश की 32 खेल हस्तियां एनएसटी अवॉर्ड से सम्मानित

भोपाल, खेल संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी सौरभ वर्मा (मप्र खेल रत्न), घुड़सावार राजू सिंह (स्पोर्ट्स मैन ऑफ द ईयर), जुडोका हिमांसी टोकस, पैरा तैराक सत्येंद्र सिंह लोहिया, क्रिकेटर अनुभव अग्रवाल, पृथ्वीराज सिंह तोमर, शूटर आशी चौकसे, बॉक्सर जिज्ञासा सहित मध्यप्रदेश की कुल 32 खेल हस्तियों को गुरुवार को एलएनसिटी सभागृह में 28वें नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। समारोह में कुलविंदर सिंह गिल को लाइफ टाइम अवॉर्ड एवं राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी रिंकू-जयेश आचार्य (दंपति) को संयुक्त रूप से टेबल टेनिस को प्रदेश में प्रमोट करने के लिए सम्मानित किया गया। समारोह में आशी चौकसे, राजू सिंह, रोहिणी कलम गुवांझू एशियन गेम्स में हिस्सा लेने की वजह से समारोह में मौजूद नहीं थे। उनका अवॉर्ड उनके परिजनों एवं कोच ने ग्रहण किया। समारोह में राहुल सिंह पैरा बैडमिंटन, रामभरन यादव पैरा क्रिकेटर को विशेष अवॉर्ड से नवाजा गया। खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि पी. नरहरि सचिव खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूजा चौकसे प्रो चांसलर एलएनसीटी विद्यापीठ विश्वविद्यालय इंदौर ने की। इस मौके पर खेल प्रमोटर ग्रुप के संरक्षक एएस सिंहदेव, भाजपा प्रदेश खेल प्रकोष्ठ के संयोजक श्रवण मिश्रा, अंतरराष्ट्रीय स्नूकर खिलाड़ी कमल चावला, द्रोणाचार्य अवॉर्डी संजय भारद्वाज मौजूद थे। अतिथियों का स्वागत नेशनल स्पोर्ट्स टाइम्स के संपादक इन्द्रजीत मौर्य ने किया। अंतरराष्ट्री कमेंटेटर दामोदर आर्य ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कल प्रज्ज्वलित होगी एशियाई खेलों की मशाल

हांगझोऊ (एजेंसी)। चीन के हांगझोऊ में 19वें एशियाई खेलों के लिए मशाल वाहक संयुक्त रूप से शनिवार मशाल प्रज्ज्वलित करेंगे। आयोजकों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एशियाई खेलों के उद्घाटन और समापन समारोह संचालन केंद्र के प्रवक्ता ली यीक्विंग ने कहा, हरित, डिजिटल एशियाई खेल दुनिया भर के लोगों के लिए लम्बे समय उसकी याद को छोड़ेगा। कार्यक्रम के लिए शो, परिवहन और संबंधित सेवाओं की पूरी तरह से तैयार हो चुकी हैं। झेजियांग प्रांत के 11 शहरों को कवर करने वाली 12 दिवसीय हांगझोऊ एशियाड मशाल रिले बुधवार को संपन्न हुई। प्रवक्ता ली ने कहा, उद्घाटन समारोह में मशालधारकों द्वारा मेथनॉल द्वारा ईंधन वाले कड़ाही को प्रज्ज्वलित किया जाएगा, जो हरित खेलों की मेजबानी का साक्ष्य है। हांगझोऊ एशियाड के उद्घाटन समारोह के लिए मुख्य निदेशक और मुख्य निर्माता शा शियाओलान ने कहा, डिजिटल आतिशबाजी, चश्मा-मुक्त 3डी और संवर्धित वास्तविकता सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां दर्शकों को शहर में स्थानीय चीनी संस्कृति को महसूस करने का एक अनूठा अनुभव प्रदान करेंगी। खेल आयोजकों के अनुसार लगभग 50,000 प्रतिभागी उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे, जबकि 1,200 से अधिक स्वयंसेवक सभी का मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करने के लिए मौजूद रहेंगे।

एशियाई खेल 2023: छेत्री के गोल से फुटबॉल में भारत ने बांग्लादेश को हराया

अपने अंतिम ग्रुप मैच में अब रविवार को म्यांमार से भिड़ेगी भारतीय फुटबॉल टीम

हांगझाऊ (एजेंसी)। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम ने गुरुवार को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हांगझोऊ में अपने दूसरे एशियाई खेल 2023 ग्रुप ए मैच में बांग्लादेश को 1-0 से हराया। सुनील छेत्री (85') ने पेनल्टी स्पॉट से टीम के लिए एकमात्र गोल किया।

हालांकि, यह गोल छेत्री के अंतरराष्ट्रीय गोल में नहीं गिना जाएगा। इस जीत के साथ, भारत ने मौजूदा हांगझोऊ गेम्स 2023 में अपनी पहली जीत दर्ज की। सुनील छेत्री एंड कंपनी मंगलवार को मेज़बान चीन के ख़िलाफ अपना पहला मैच 1-5 से हार गई थी। इस जीत ने भारत को ग्रुप-ए में दो मैचों में तीन अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया।

शीर्ष दो टीमों के साथ-साथ छह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान वाली टीमों में से चार टीमें राउंड ऑफ 16 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय फुटबॉल टीम एशियाई खेल 2023 के अपने अंतिम ग्रुप मैच में रविवार को म्यांमार से भिड़ेगी।

महिला फुटबॉल टीम को पहले मैच में चीनी ताइपे से मिली हार

हांगझाऊ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को गुरुवार को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के हांगझोऊ में अपने पहले एशियाई खेल 2023 ग्रुप-बी मैच में चीनी ताइपे से 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की तरफ से अंजू तमांग ने 47वें मिनट में एकमात्र गोल किया, जबकि चीनी ताइपे के लिए लाई ली-चिन ने 69वें मिनट में और सू यू-वान ने 84वें वें मिनट में गोल दागा। इस जीत के साथ चीनी ताइपे की टीम तीन अंक हासिल करते हुए ग्रुप-बी में पहले स्थान पर पहुंच गई है। मार्च के बाद से अपना पहला मैच खेल रही थॉमस डेननरबी द्वारा प्रबंधित भारतीय टीम ने मैच में आक्रामक शुरुआत की और पहले ही मिनट में टीम ने गोल करने का मौका हासिल किया, लेकिन वे इसे गोल में तब्दील करने में असफल रहे। यह भारत के खिलाफ आठ मैचों में चीनी ताइपे की सातवीं जीत है। भारतीय महिला फुटबॉल टीम का अगला मुकाबला रविवार को जियाओशान स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में थाईलैंड से होगा। पांच ग्रुप विजेता टीमें एशियाई खेल 2023 महिला फुटबॉल क्वार्टरफाइनल के लिए आगे बढ़ेंगी।

क्रिकेट कल शाम को इंदौर आएंगी दोनों टीमें, सेंटर पिच पर खेला जाएगा मैच, बारिश के भी आसार

इंदौर भारत-ऑस्ट्रेलिया दूसरे वनडे की मेजबानी को तैयार

इंदौर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के मध्य तीन मैचों की सीरीज का दूसरा वनडे मैच 24 सितंबर को होलकर स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें शनिवार 23 सितंबर देर शाम को इंदौर पहुंचेगी। मैच के लिए स्टेडियम और मैदान पूरी तरह तैयार हो रहा है। मैच सेंटर पिच पर खेला जाएगा। हालांकि मैच वाले दिन बारिश के भी आसार दिखाई दे रहे हैं।

मोहाली वनडे के बाद दोनों टीमें शनिवार शाम 7.30 बजे इंदौर पहुंचेगी। इस कारण होलकर स्टेडियम पर मैच से पहले अभ्यास का कोई सत्र नहीं हो पाएगा। रविवार को मैच दोपहर 1.30 बजे से खेला जाएगा। वहीं मैच प्रसारण की टीमें भी इंदौर पहुंच गई है और लगभग तीन दर्जन से ज्यादा कैमरों से मैच का प्रसारण किया जाएगा। मैच के लिए लगभग 2 हजार सुरक्षाकर्मी लगाए जाएंगे। भारतीय टीम इंदौर में रेडिसन होटल में तो मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम होटल मेरियट में रूकेगी।

जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय बैडमिंटन में बना चैम्पियन

भोपाल, खेल संवाददाता। मप्र शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित अंतर्महाविद्यालयीन बैडमिंटन प्रतियोगिता में जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय चैंपिन बना है। समापन समारोह में मुख्य अतिथि मोहम्मद आसिफ जकी संचालक जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय एवं शबिस्ता आसिफजकी ने पुस्कार वितरण किया। फाइनल मैच पुरुष वर्ग में जवाहरलाल नेहरू व बीएसएस महाविद्यालय के बीच खेला गया, जिसमें जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय विजयी हुआ एवं महिला प्रतियोगिता जवाहरलाल महाविद्यालय व यूटीडी के बीच खेला गया। जिसमें यूटीडी विजयी हुआ। जवाहरलाल नेहरू के विजयी होने पर डॉ. वायपी सिंह प्राचार्य, चन्द्रभान सिंह, आदिल सिद्दीकी, आयोजक सचिव अरूण कुमार पाण्डेय, संजय रघुवंशी, चेन सिंह, सुनील रघुवंशी, योगेन्द्र पुरोहित, जाहिद हुसैन, शाकिब अनवर आदि लोगों ने शुभकामनाएं दी।

वर्ल्ड कप 2023 के लिए पाकिस्तान टीम का ऐलान, नसीम जगह की हसन अली को मौका

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद पाकिस्तान ने आईसीसी वर्ल्ड कप 2023 के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इस 15 सदस्यीय स्क्वॉड में नसीम शाह की जगह हसन अली को मौका मिला है। हालांकि, एक और चोटिल गेंदबाज हारिस रऊफ को भी टीम में शामिल किया गया है। वहीं पाकिस्तान ने साथ ही उस्मान मीर के रूप में एक अतिरिक्त लेग स्पिनर को टीम में जगह दी है। उस्मान मीर ने इसी साल न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना डेब्यू किया था। लेकिन उन्हें एशिया कप में टीम में जगह नहीं दी गई थी। हसन अली के अलावा पाकिस्तानी तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और मोहम्मद वसीम जूनियर को चुना गया है। स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज भी अपनी जगह बचाए रखने में कामयाब रहे हैं, जबकि फहीम अशरफ को इस टीम में जगह नहीं मिली है। पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप 2023 के लिए टीम में बाबर आजम को कप्तान बनाया है। ओपनिंग जोड़ी के रूप में फखर जमान और इमाम उल हक को चुना गया है। बल्लेबाजों में सौद शकील और अब्दुला शफीक को भई शामिल किया गया है। विकेटकीपिंग का जिम्मा मोहम्मद रिजवान के कंधों पर होगा। वहीं स्पिन का जिम्मा शादाब खान और मोहम्मद नवाज को सौंपा गया है। स्पिन ऑलराउंडर्स के रूप में इफ्तिखार अहमद और उस्मान मीर को जगह मिली है। इसके अलावा तेज गेंदबाजी हसन अली, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और मोहम्मद वसीम जूनियर के कंधों पर होगा।

वर्ल्डकप के लिए पाकिस्तान टीम- फखर जमान, इमाम उल हक, अब्दुल्ला शफीक, बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, सऊद शकील, इफ्तिखार अहमद, सलमान अली आगा, शादाब खान, उस्मान मीर, मोहम्मद नवाज, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, मोहम्मद वसीम जूनियर, हसन अली।

मध्यप्रदेश में जनजातीय कला, संस्कृति और विरासत का अदभुत संगम

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश में जनजातीय कला, संस्कृति और विरासत को सहेज कर रखने के लिए हर सम्भव प्रयास कर रहे हैं। जनजातीय नायकों की मूर्तियाँ स्थापन के साथ समाज के गौरव और सम्मान को बढ़ाने में राज्य सरकार की महती भूमिका रही है। मुख्यमंत्री के विचार हैं कि, ईश्वर ने धरती के संसाधन सभी के लिए बनाए हैं। प्राकृतिक संसाधनों पर सभी का हक है। सामाजिक समरसता और समन्वय के साथ गरीबों को न्याय मिले, इसके लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

विकास की दौड़ में पीछे रह गए लोगों को बराबरी पर ला रही मध्य प्रदेश सरकार

मध्य प्रदेश सरकार जनजातीय कल्याण की योजनाओं द्वारा लोक संस्कृति उत्थान के लिए समुचित लाभ दिलाने के लिए भरपूर काम कर रही है। बैगा, भारिया, सहरिया जनजाति की के लिए रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री उद्यम क्रान्ति योजना जैसी कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं।

रूपंकर कलाओं से समृद्ध है मध्य प्रदेश की धरती

भारत के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, कला और इतिहास के लिए दुनियाभर में जाना जाता है। प्राचीन मूर्तियों से लेकर जीवंत लोक संगीत और नृत्य तक, मध्य प्रदेश में सभी के लिए कुछ न कुछ है। यह खजुराहो मंदिर, सांची स्तूप और मांडू कि जैसे कई यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों का भी घर है। मध्य प्रदेश आगंतुकों को सांस्कृतिक अनुभवों की एक विस्तृत श्रृंखला देखने के लिए मिलती है। मध्य प्रदेश सरकार की संकल्पना है कि, प्रदेश के शिल्प को विश्वस्तर पर पहुंचाया जाए, मध्य प्रदेश की शिल्प कलाएँ यहां की परंपरागत कला है जो कि, मुख्य रूप से यहां के जनजाति समुदाय के लोगों का मुख्य व्यवसाय था। यहां के लोग अपने-अपने शिल्प कला के क्षेत्रों में बहुत निपुण थे और इन्हीं कलाओं से अपना जीवन यापन करते थे। मध्य प्रदेश में शिल्पकला की समृद्धि के कारण इस प्रदेश को कलाओं का प्रदेश कहा जाता है। मध्य प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में समृद्ध लोक कला और जनजातीय कला का इतिहास बहुत पुराना रहा है। आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश' की आत्मा 'वोकल फार लोकल' में निहित है। आत्मा की इस आवाज पर ही स्थानीय शिल्प कला, संस्कृति में प्रदेश की पुरा-सम्पदा और हुनर को शामिल कर प्रदेश के आर्थिक विकास की नींव को मजबूत बनाने का काम किया जा रहा है। स्थानीय संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल हुनरमंद हाथों से कराकर उन्हें बाजार मुहैया कराना ही 'वोकल फॉर लोकल' है।

मध्य प्रदेश सरकार की अभिनव पहल से उन्नत हुए प्रस्तर शिल्प कलाकार

प्रस्तर शिल्प कला एक प्राचीनतम कला है, जिसमें प्राकृतिक पत्थरों को बेहतर ढंग से काटकर विभिन्न प्रकार के शिल्प का निर्माण किया जाता है। प्रत्येक शिल्पकार अपनी क्षमता के अनुसार पत्थर को कुशलतापूर्वक काटकर उसे एक प्रकार की आकृति में परिवर्तित करता है। जिसे प्रस्तर शिल्प के नाम से जाना जाता है। कहा जाता है कि प्रस्तर शिल्प की शुरुआत मध्य प्रदेश से की गई है जहां अनेक स्थान पर पत्थर को विभिन्न आकृतियों में बांटकर उसे एक मूर्ति का रूप दिया जाता है। मंदसौर, रतलाम, जबलपुर, ग्वालियर, सागर आदि इस शिल्प के केन्द्र माने जाते हैं। पत्थर से मूर्ति गढ़ने वाले मध्य प्रदेश में कई शिल्पकार जातियाँ हैं। ये शिल्पकार, गूजर, गायरी, जाट, सिलावट, लाट आदि होते हैं, जो विभिन्न देवी-देवताओं, नंदी आदि की मूर्तियाँ गढ़ते हैं। इसके अलावा वे कुछ मूर्तियाँ तथा शिल्प ऐसे भी गढ़ते हैं, जिनका महत्व सौन्दर्यात्मक अथवा दैनिक उपयोग की वस्तुओं का है। भेड़ाघाट संगमरमर की मूर्तियाँ और ग्वालियर पौराणिक देवी-देवताओं की मूर्तियाँ बनाने का केन्द्र है। इन क्षेत्रों में मध्य प्रदेश सरकार स्थानीय कलाकृतियों को देश-विदेश तक पहुँचाने में मदद प्रदान कर रही है।

प्रदेश की परम्परागत शिल्प कला को उसी अंचल की पहचान बनाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 'एक जिला - एक उत्पाद' जैसी अभिनव पहल की गई है।

मांग के अनुसार तैयार किए जा रहे शिल्प

मध्यप्रदेश हस्तशिल्प विकास निगम द्वारा नवीन इन्वेन्टरी साफ्टवेयर विकसित कर ग्राहकों की रूचि एवं शिल्पियों के डिजाइनों के मध्य समन्वय की पहल की गई है। उज्जैन तथा महेश्वर में डिजाईन स्टूडियो की स्थापना भी हुई है। इन केन्द्रों में अत्याधुनिक उपकरण और उन्नत सॉफ्टवेयर के कम्प्यूटर स्थापित किये गए हैं, जिससे शिल्पी और बुनकर अपने उत्पादनों को ई-मार्केटिंग प्लेटफार्म पर अपलोड कर उनका ई-विक्रय करते हैं। भारत सरकार के सहयोग से निगम के अन्य 4 क्लस्टर्स में भी डिजाईन स्टूडियो की स्थापना की जा रही है। मध्य प्रदेश सरकार के इन्हीं समन्वित प्रयासों से स्थानीय शिल्प और शिल्पकारों को राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है। प्रदेश सरकार परम्परागत ग्रामोद्योग के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। राज्य सरकार उत्पादों की गुणवत्ता का विकास, उत्पादों को बाजारोन्मुखी बनाना, कारीगरों को कौशल विकास, उन्नत तकनीकी का प्रशिक्षण, आधुनिकता उपकरणों का प्रदाय तथा उत्पादों की विणपन सहायता उपलब्ध करा रही है। मेलों-प्रदर्शनियों के माध्यम से भी शिल्पियों को मार्केटिंग प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जा रहा है। पत्थर शिल्प, जरी, बेलमेटल, पेंटिंग और वस्त्र छपाई के शिल्पियों को उत्पादों/गुणवत्ता एवं मानकीकरण के लिये क्राफ्ट मार्क प्राप्त करने में सहायता की गई है। बुदनी में शिल्पियों को सुगमता से कच्चा माल सुलभ कराने के लिए खराद शिल्प का रॉ मटेरियल डिपो स्थापित किया जा रहा है।

धातु शिल्प से गढ़े जाते नए रूप – धातु शिल्प कला मध्य प्रदेश के गौरवशाली एवं समृद्ध इतिहास एवं संस्कृति को प्रदर्शित करता है। मध्यप्रदेश के विभिन्न अंचलों में धातु शिल्प की सुदीर्घ परम्परा है। प्रदेश के लगभग सभी आदिवासी और लोकांचलों के कलाकार पारम्परिक रूप से धातु की ढलाई का कार्य करते हैं। धातु शिल्प कलाओं में मुख्य रूप से सोने, चांदी, पीतल, जिंक, कांसे, इस्पात आदि धातुओं का उपयोग किया जाता है। इन सभी धातुओं की सहायता से विभिन्न प्रकार के उत्पादों का उपयोग किया जाता है। जिसका उपयोग गहने बनाने, बर्तन बनाने, भवन बनाने, सजावट करने आदि कार्यों में किया जाता है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के बैतूल के भरेवा धातु शिल्पकार, धातु की सहायता से देवी-देवताओं के सुंदर शिल्प के निर्माण कार्य भी करते हैं जो विश्व भर में प्रसिद्ध हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश के सतना जिले में कांसे की सहायता से विभिन्न प्रकार की कलात्मक वस्तुएं भी बनाई जाती हैं। टीकमगढ़ के स्वर्णकार कलाकारों ने आज तक अपनी परम्परा को अक्षुण्य बनाए रखा है। टीकमगढ़ की धातु कला की तकनीक का इतिहास अत्यन्त प्राचीन और पारम्परिक है। आजकल विशेषकर मूर्तियों का काम टीकमगढ़ के क्षेत्र में होता है।

हस्तशिल्प संवर्धन को प्रोत्साहन दे रही मध्य प्रदेश सरकार: मध्यप्रदेश सरकार हस्तशिल्प और बुनकरों को प्रोत्साहन देने के लिए सतत प्रयास कर रही है। इसी क्रम में भोपाल के गौहर महल में समय-समय पर हैण्डलूम एक्सपो का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन मध्यप्रदेश शासन, मप्र हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम, भोपाल और विकास आयुक्त (हथकरघा) वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जाता है। इस आयोजन से कलाकारों को शिल्प प्रदर्शन और बेचने की सुविधा मिलती है। हस्तशिल्प वह कलाकृति होती है जिसमें एक शिल्पकार सरल उपकरणों या हाथों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाते हैं। यह उत्पाद अधिकतर लकड़ी, मिट्टी, चट्टान, धातु, पत्थर आदि जैसे प्राकृतिक तत्वों के माध्यम से बनाए जाते हैं। हस्तशिल्प की विशेषता यह है कि यह पूर्ण रूप से हाथों के द्वारा निर्मित होते हैं अतः इनमें किसी भी प्रकार की आधुनिक मशीनों का उपयोग नहीं किया जाता है। इसके अंतर्गत कालीन, दरवाजे, मूर्तियां, खिलौने आदि जैसे उत्पाद आते हैं। हस्तशिल्प का निर्माण मध्य प्रदेश की प्राचीनतम संस्कृति को दर्शाता है।

काष्ठ शिल्प में जीवंत हुई कला

जिन कलाकृतियों का निर्माण लकड़ी या काठ की सहायता से किया जाता है उन्हें काष्ठ शिल्प के नाम से जाना जाता है। काष्ठ शिल्प की परंपरा बहुत प्राचीन और समृद्ध है। जब से मानव ने मकान में रहना सीखा तब से काष्ठ कला की प्रतिष्ठा हुई, इसलिए काष्ठ से निर्मित मनुष्य के आस्था केन्द्र मंदिर और उसके निवास स्थापत्य कला के चरम कहे जा सकते हैं। आदिम समूहों में सभी काष्ठ में विभिन्न रूपंकर उकेरने की प्रवृत्ति सहज रूप से देखी जाती है। मुख्यत: गाड़ी के पहियों, देवी-देवताओं की मूर्तियों, घरों के दरवाजों, पाटों, तिपाही पायों और मुखौटों आदि वस्तुओं में काष्ठ कला का उत्कर्ष प्राचीन समय से देखा जा सकता है। यह मध्यप्रदेश के होशंगाबाद, धार, बैतूल, मंडला आदि क्षेत्रों में जनजातियों की एक प्रमुख परंपरा मानी जाती है। अलंकरण से लेकर मूर्ति- शिल्प तक की समृद्धि यहां देखी जा सकती है।

मिट्टी शिल्प ने बनाई अलग पहचान

मिट्टी से निर्मित कलाकृतियों को मिट्टी शिल्प कहा जाता है। इस प्रकार के शिल्प का निर्माण मुख्यत: कच्ची मिट्टी से किया जाता है। मिट्टी से बने उत्पादों का उपयोग मूर्ति बनाने, कच्चे भवन का निर्माण करने, विभिन्न प्रकार के खिलौने बनाने, सजावट आदि के कार्यों में किया जाता है। मिट्टी शिल्प का प्रयोग मध्यप्रदेश में सर्वाधिक मात्रा में किया जाता है। मनुष्य ने सबसे पहले मिट्टी के बरतन बनाए। मिट्टी से ही खिलौने और मूर्तियाँ बनाने की प्राचीन परंपरा है। मिट्टी का कार्य करने वाले कुम्हार होते हैं। मध्यप्रदेश के प्रत्येक अंचल में कुम्हार मिट्टी - शिल्प का काम करते हैं। लोक और आदिवासी दैनिक जीवन में उपयोग में आने वाली वस्तुओं के साथ कुम्हार परम्परागत कलात्मक रूपंकरों का निर्माण करते हैं। धार-झाबुआ, मंडला-बैतूल, रीवा- शहडोल आदि के मिट्टी शिल्प अपनी-अपनी विशेषताओं के कारण महत्वपूर्ण हैं। प्रदेश के विभिन्न लोकांचलों की पारम्परिक मिट्टी शिल्पकला का वैभव पर्व-त्योहारों पर देखा जा सकता है। मध्य प्रदेश में शिल्प कला के स्वरूप को आदिवासियों द्वारा ही विकसित किया गया है। मध्यप्रदेश में सदियों से मिट्टी के शिल्प बनाने के कार्य किए जाते हैं, जिसके कारण इस प्रदेश की कला एवं शिल्प की परंपरा अन्य प्रदेशों के मुकाबले अधिक समृद्ध है। शिल्प कला के कार्य मुख्य रूप से मध्यप्रदेश के झाबुआ, रीवा, धार, बैतूल, मंडला, शहडोल आदि क्षेत्रों में किए जाते हैं। इन सभी क्षेत्रों में विशेष रूप से मिट्टी एवं धातु के द्वारा अलग-अलग प्रकार के शिल्प बनाए जाते हैं।

खास शैली से लगे गोंड चित्रकला को पंख, मध्य प्रदेश सरकार ने दी विशेष पहचान

गोंड चित्रकला की शैली अत्यंत विशिष्ट है। इसमें छवियों को भरने के लिए एक डिज़ाइन को बार-बार दोहराया जाता है। प्रत्येक कलाकार अपनी स्वयं की शैली विकसित कर लेता है। इस प्रकार अपनी स्वयं की विकसित शैली को 'सिग्नेचर पैटर्न' कहा जाता है। ब्रश की जगह टहनियों, कॉटन बाल का उपयोग किया जाता है। मध्य प्रदेश के डिंडोरी में प्रचलित गोंड पेंटिंग को अब मानो पंख लग चुके हैं और वो अब नई उड़ान भरने को तैयार हैं। क्योंकि गोंड पेंटिंग को सरकार ने GI टैग (Geographical Indications tag) प्रदान किया है। गोंड जनजाति के लिए यह काफी गर्व की बात है। गोंड जनजाति द्वारा बनाई गई ये पेंटिंग्स प्रकृति, जानवरों एवं धार्मिक विषयों के साथ-साथ उनके जीवन के तरीके को दर्शाती हैं। जीआई टैग प्राप्त होने के बाद पंजीकृत अधिकृत उपयोगकर्ता के अलावा किसी अन्य को लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति नहीं होती है।

मध्यप्रदेश की गोंड पेंटिंग अब ब्राजील के प्रेसिडेंट लुइज इनासिओ लूला दा सिल्वा के आधिकारिक आवास की शोभा बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15वें ब्रिक्स समिट के समापन में ब्राजील के प्रेसिडेंट लुइज इनासिओ लूला दा सिल्वा को सुंदर गोंड पेंटिंग उपहार स्वरूप भेंट की थी।

यह एक प्रकार की बौद्धिक संपदा है। गोंड जनजाति के कलाकार पीढ़ियों से इस कला को संजो रहे हैं। गोंड पेंटिंग एक अप्रतिम कला रूप है जो समय के साथ मानव के प्रकृति के साथ जुड़ाव को प्रदर्शित करती है। सबसे बड़े जनजातीय वर्ग 'गोंड' जो इस कला में माहिर हैं और इसका पोषण करते आ रहे हैं, मुख्य रूप से मध्यप्रदेश में निवास करते हैं। गौंड कलाकारों का मानना है कि अच्छी छवियों से रूबरू होने वाले व्यक्ति के साथ अच्छाई साथ होती है। कलाकार यह विश्वास करते हैं कि, भाग्य उनके साथ होता जो अच्छी छवियाँ देखते हैं। गोंड चित्रकला प्रकृति पूजा के साथ सुरक्षा प्राप्त करने और बुराईयों को दूर भगाने का भी माध्यम है। वे अपने घरों को और आंगन को पारंपरिक टैटू से सजाते हैं।

मौसम के बदलाव से जुड़े त्यौहार या रिवाजों के दौरान या परिवार में महत्वपूर्ण अवसर पर जैसे जन्म, विवाह पर चित्र बदले जाते हैं। मोर, पक्षी, केकड़े, काल्पनिक जानवर, छिपकलियाँ, बाघ, हिरण, सांप, जंगली सूअर, गाय, बंदर, हाथी, घोड़ा और मछली गोंड चित्रकला के प्रमुख विषय हैं। शहरी जीवन के विभिन्न पहलुओं जैसे हवाई जहाज, साइकिल, कार आदि भी उनकी कला के विषय हैं। इसके अलावा पौराणिक कथाएँ, भगवान शिव, भगवान कृष्ण, भगवान गणेश भी विशेष रूप से चित्रित किये जाते हैं। स्थानीय देवियों में

फुलवारी देवी, जहरीन देवी, मरही देवी भी विशेष रूप से नजर आती हैं। इन सबके साथ गोंड चित्रकला का मुख्य विषय प्रकृति चित्रण है। कलाकार प्रकृति को विभिन्न तरीकों से कैनवास पर उकेरते हैं। वे मानते हैं कि मनुष्य और प्रकृति एक दूसरे से अलग नहीं है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की भावना है कि, कलाकारों की चिंता करना मध्यप्रदेश सरकार का कर्तव्य है। कलाकारों को रोजगार मिलता रहे, इसके लिये संस्कृति विभाग सालभर कार्यक्रम करता है। मध्य प्रदेश सरकार कला, संगीत, नृत्य की परंपरा को जीवित रखने में भूमिका अदा कर रही है। आदिवर्त संग्रहालय को पूरी दुनिया सराह रही है। जनजातीय कलाओं का विश्व स्तरीय प्रकटीकरण हो रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य शिखर सम्मान से कलाकारों को अलंकृत किया गया है। पदमश्री भूरी बाई, गोंड चित्रांकन के लिए दुर्गा बाई व्याम, बैगा नृत्य के लिए श्री अर्जुन सिंह धुर्वे एवं जोधैया बाई, राई नृत्य को विश्वमंच पर पहचान दिलाने के लिए पदमश्री रामसहाय पांडेय को अलंकृत किया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार लोक कला और संस्कृति को निरंतर बढ़ावा दे रही है। लोक कला की परंपरा को जीवित रखना और आगे भी बढ़ाना मध्यप्रदेश सरकार का उद्देश्य है। इसके लिए जो कलाकार आर्थिक रूप से कमजोर हैं और जिन्होंने मध्यप्रदेश का नाम रोशन किया है, उनको प्रतिमाह मिलने वाली वित्तीय सहायता 800 से बढ़ा कर 5 हजार रुपए कर दी गई है। कलाकारों के दिवंगत होने पर उनके परिवार को 3500 रुपए प्रति माह की आर्थिक सहायता दी जा रही है। कला के प्रदर्शन के लिए बुलाने पर प्रतिदिन मिलने वाले 800 रुपए के मानदेय को बढ़ा कर 1500 रुपए और दैनिक भत्ता भी 250 से बढ़ा कर 500 रुपए कर दिया गया है।

मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से चंदेरी एवं महेश्वरी साड़ी की बनी विश्व स्तरीय पहचान

मध्य प्रदेश का चंदेरी क्षेत्र रेशमी एवं सूती साड़ियों के लिए विश्व भर में बेहद प्रसिद्ध माना जाता है। कहा जाता है कि मध्य प्रदेश में महेश्वरी साड़ी की स्थापना श्रेय होलकर वंश की महारानी अहिल्याबाई ने की थी । यह साड़ियां इतनी बारीक होती हैं कि एक पूरी साड़ी एक मुट्ठी के भीतर आसानी से समा जाती है। प्राचीन काल में कपास के अत्यंत बारीक धागों से चंदेरी साड़ियों का निर्माण किया जाता था एवं इन साड़ियों को बुनने के लिए ढाका से बारीक मलमल के रेशे भी मंगवाए जाते थे। इस प्रकार की साड़ियों को विश्व भर की महिलाएं पसंद करती हैं जिसके कारण यह भारत के साथ-साथ, चीन, जापान आदि देशों में भी निर्यात की जाती है।

मध्य प्रदेश के हस्तशिल्प विकास निगम द्वारा नागपुर (महाराष्ट्र) में मृगनयनी एम्पोरियम जनवरी में आरंभ किया गया। प्रदेश के 04 जिलों - बैतूल, होशंगाबाद, मण्डला, महेश्वर, सागर में स्थानीय शिल्पियों को मार्केटिंग प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के लिए मृगनयनी के सेल्स काउंटर खोले गये हैं। जहाँ से इन वस्त्र निर्माताओं को अच्छा बाजार उपलब्ध हो रहा है।

मध्य प्रदेश शासन की संस्कृति का पर्याय है खजुराहो नृत्य महोत्सव

मध्य प्रदेश की कला एवं संस्कृति को भारतभर में एक विशेष दर्जा दिया गया है। भारत के अन्य राज्यों की तरह ही मध्य प्रदेश में भी देवी-देवताओं से संबंधित कलाकृतियों एवं संस्कृति का एक परिपूर्ण दृश्य देखने को मिलता है। इस राज्य के लगभग एक तिहाई भाग में आदिवासी समुदाय के लोग निवास करते हैं जो खुद की परंपरा को जीवित रखने के लिए कला एवं संस्कृति के माध्यम से निरंतर प्रयास करते रहते हैं। मध्यप्रदेश में निवास करने वाले आदिवासियों की अपनी विशिष्ट भाषा, कला, संस्कृति और उत्सव हैं जिसे आदिवासी समूहों द्वारा मनाया जाता है।

प्राचीन काल से ही मध्यप्रदेश में कला एवं संस्कृति के स्वरूप में परिवर्तन देखा गया है। इस प्रदेश में समय-समय पर मेलों का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रदर्शित किए जाने वाली संस्कृति एवं रंगीन जीवनशैली को मध्य प्रदेश के निवासी 'पैनोरमा' के नाम से पुकारते हैं। इस प्रकार के मेलों में विशेष रूप से सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक रूप का दुर्लभ दर्शन दिखाई पड़ता है। इन मेलों के आयोजन में मध्य प्रदेश सरकार भरपूर सहयोग करती है। इसी कड़ी में प्रदेश सरकार के तत्वाधान में खजुराहो नृत्य महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है। 'नेपथ्य में मंदिर की प्रस्तर मूर्तियां, ऊपर खुला आसमान, सामने देश-विदेश से पधारे सुधि कला रसिक और मध्य में रचे गए मंच पर शिव की परंपरा को साकार करते साधनारत कलाकारों का अविस्मरणीय प्रस्तुतीकरण' कुछ ऐसा ही दृश्य बनता है जब खजुराहो नृत्य महोत्सव की बात होती है।

नृत्य की गरिमा और शास्त्रीयता को समर्पित इस आनंद उत्सव में दुनियाभर के लोग शामिल होते हैं। खजुराहो नृत्य महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1975 में की गई थी और तब से आज तक मध्य प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग अंतर्गत उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा इसका सफल आयोजन निरंतर किया जाता रहा है।

मध्यप्रदेश के झूलों को चीन पहुंचा रही राज्य सरकार

मध्य प्रदेश के शिल्पियों के लिए यह सुखद खबर है कि प्रदेश के जूट के झूले चीन में बहुत लोकप्रिय हो रहे हैं। पिछले साल करीब 12 लाख रूपये के जूट झूले चीन निर्यात किये गये थे। इस साल पुन: लगभग सवा 12 लाख रूपये कीमत के जूट झूले निर्यात किये जाना है। एक अनुमान के अनुसार हस्तशिल्प विकास निगम ने कम से कम 50 लाख के जूट उत्पादों का निर्यात किया है।

शिल्प कलाओं को बाजार मुहैया करवा रहा मध्य प्रदेश शासन

राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर धातु, प्रस्तर, काष्ठ और मिट्टी शिल्प से बनाई गई कलाकृतियों के लिए प्रदर्शनियाँ लगाई जाती हैं। जिनमें दूर-दराज के हस्तकला प्रेमियों की आवक सुनिश्चित की जाती है, जिससे लोकल शिल्पकारों को कलाकृतियों के प्रदर्शन और विनिमय में सहायता मिलती है।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर शिल्पों का ऑनलाइन विक्रय

अमेजन एवं फ्लिपकार्ट के माध्यम से प्रदेश के शिल्पियों के उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विक्रय की प्रक्रिया आरंभ की गई है। इससे इन स्थानों के निवासियों को प्रदेश के हस्तशिल्प - हथकरघा एक ही जगह पर उपलब्ध हो रहे हैं। प्रदेश के बाहर हस्तशिल्प विकास निगम का एकता मॉल, केवड़िया (गुजरात), रायपुर (छत्तीसगढ़) मुम्बई वाशी (महाराष्ट्र) तथा लेपाक्षी हैदराबाद (तेलंगाना) में एम्पोरियम और विक्रय काउंटर आरंभ हो चुके हैं।

कुटीर-ग्रामोद्योग में संरक्षित हुई परम्परा

कुटीर और ग्रामोद्योग ग्रामीण अंचल में रोजगार के अवसरों के सृजन का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रदेश सरकार परम्परागत ग्रामोद्योग के संरक्षण, संवर्धन एवं समग्र विकास के माध्यम से रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। मध्य प्रदेश में खादी ग्रामोद्योग बोर्ड और हस्तशिल्प विकास निगम स्थानीय शिल्प एवं कला का संरक्षण-संवर्धन इसी क्षेत्र में काम कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में हाथकरघा वस्त्र बुनाई की एक समृद्ध परम्परा है। प्रदेश की चंदेरी एवं महेश्वरी साड़ियाँ एवं वारासिवनी (बालाघाट), सौंसर (छिन्दवाड़ा), पढ़ाना-सारंगपुर (राजगढ़) के हाथकरघा वस्त्र अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। वस्त्रों की छपाई में बाग की ब्लाक-प्रिंट तथा भैरोगढ़ की बटिक-प्रिंट तारापुर के नांदना प्रिंट आदि प्रमुख है।

माया की छाया जिस पर पड़ जाए उसके जीवन का सफाया हो जाता है, दशलक्षण पर्व का तृतीय दिवस उत्तम आर्जव धर्म

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दस धर्म का महापर्व दशलक्षण है, इन धर्मो का मर्म भी बड़ा विलक्षण है जैन धर्म का पर्व निराला हमें जगाने आया है आत्म शुद्धि का महापर्व पर्युषण मन भाया है जय जिन शासनम के साथ पर्युषण पर्व के तीसरे दिन भी जैन मन्दिरो में प्रातः से विविध धार्मिक कृत्य प्रारंभ हुए मंत्रोच्चारण के साथ सभी जैन मंदिरो में तीर्थंकरो का जलाभिषेक किया गया` भदैनी स्थित भगवान सुपार्श्वनाथ जी जन्म स्थली एवं अन्य जैन मंदिरो में भगवान सुपार्श्वनाथ जी के गर्भ कल्याणक की विशेष पूजा व्रत के साथ एवं आर्जव धर्म की पूजा की गई` ग्वाल दास साहू लेन स्थित जैन मन्दिर में प्रदेश में तेजी से फैल रही बीमारी स्क्रब टायफस, डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया के जल्द रोक थाम के लिए विशेष पूजा एवं शान्ती धारा की गई व जैन औषधालयो से दवा वितरित की गई। श्री दिगम्बर जैन समाज काशी के तत्वावधान में

चल रहे अनेको धार्मिक आयोजनो में भगवान पार्श्वनाथ जन्म स्थली भेलूपुर मे विधानाचार्य प्रो.अशोक जैन के निर्देशन में क्षमावाणी विधान बहुत ही भक्ति भाव के साथ किए जा रहे है` ग्वाल दास साहू लेन स्थित मन्दिर में भी क्षमावाणी विधान के माणने पर तीर्थंकर को सिंहासन पर विराजमान कर श्री फल, पुष्प अर्पित कर अर्ध्य चढाये जा रहे है प्रातः से सारनाथ, चन्द्रपुरी, नरिया, भदैनी, मैदागिन, खोजंवा, हाथीबाजार स्थित मन्दिरो मे भी विविध धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रम हो रहे है। भेलूपुर स्थित तीर्थ क्षेत्र पार्श्वनाथ जन्म कल्याणक भूमि पर 10 धर्मो के तृतीय अध्याय उत्तम आर्जव धर्म पर व्याख्यान देते हुए प्रोः फूल चन्द जैन प्रेमी जी ने कहा मायाचारी (कुटिलता) को छोड़कर निर्मल ह्रदय होना, स्वभाव में सरलता होना ही आर्जव धर्म है। मायाचारी पुण्य को नष्ट करती है पाप को बढाती है, सत्य को निरस्त करती है मायाचारी मनुष्य का तप, धर्म, व्रतादि सब अनुष्ठान कूट द्रव्य के समान सारहीन तथा निष्फल होता है आत्मज्ञान , खुशी, प्रयास, विश्वास, सीधा सादा, सरल सहजता ही जीवन आ जाना जो असंख्य गुणों से सिंचित है जो मनुष्य अपने बुरे अवगुणो को निकालकर विनय युक्त बना लेता है यही उत्तम आर्जव धर्म है।

खोजंवा स्थित अजित नाथ जैन मन्दिर में प्रवचन करते हुए डां मुन्नी पुष्पा जैन ने कहा आर्जव का अर्थ है - श्रृजुता,सीधापन, सुगमता, सरलता, स्पष्टवादिता, ईमानदारी कुटिलता का अभाव ही आर्जव धर्म है` ग्वाल दास साहू लेन स्थित जैन मन्दिर में शास्त्र प्रवचन करते हुए पं सुरेंद्र शास्त्री ने कहा माया की छाया जिसकी काया पर पड जाए, उसके जीवन का सफाया हो जाता है याद रखना जिसे किसी ने नहीं देखा, उसे उसे आपने स्वयं ने देखा है आपने किया कपट औरो को नही स्वयं को ही छला है उन्होंने कहा जीवन के प्रसन्नता के रथ पर सवार हो, खुशियो का दामन ना छोड़े, इसके लिए दशलक्षण का तीसरा कदम उत्तम आर्जव धर्म अपनाना अत्यंत आवश्यक है।

सायंकाल शास्त्र प्रवचन, जिनवाणी पूजन, देवो की आरती व भजन किए गये` आयोजन में प्रमुख रूप से सभापति दीपक जैन, उपाध्यक्ष राजेश जैन, संजय जैन, आर सी जैन, प्रधानमन्त्री अरूण जैन, समाज मन्त्री तरूण जैन, रत्नेश जैन, विनोद जैन, विजय जैन, सौरभ जैन उपस्थित थे।

किसानों की समृद्धि का आधार है जैविक खेती

प्रखर चौबेपुर/वाराणसी। जैविक खेती अपनाने से न सिर्फ मिट्टी की सेहत में सुधार होता है बल्कि जैविक खेती किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी सहायक है।भूमंडलीकरण के दौर में किसानों को उनके जैविक उत्पादों का उचित मूल्य भी मिल रहा है और दिन प्रतिदिन किसानों के जैविक उत्पादों की मांग भी बढ़ती जा रही है।ऐसे में जैविक खेती किसानों की समृद्धि का आधार भी बन रही है।उक्त बातें बृहस्पतिवार को क्षेत्र के रौना खुर्द गांव में आयोजित कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में माटर ट्रेनर स्वामी शरण कुशवाहा ने किसानों के बीच कहीं।उन्होंने किसानों के समक्ष जीवामृत,बीजामृत व दशपर्णी अर्क बनाने की विधि का सजीव प्रदर्शन किया। मास्टर ट्रेनर बिजेंद्र कुमार जंगा ने किसानों को जैविक खेती की नवीनतम तकनीकों की जानकारी दी। उप कृषि निदेशक अखिलेश कुमार सिंह के निर्देशन में चलाये जा रहे नमामि गंगे योजनान्तर्गत जैविक खेती कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण का आयोजन कृषि विभाग एवं ईश एग्रीटेक के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।इसी क्रम में रौनाकलां गांव में भी प्रशिक्षण कराया गया। इस दौरान इंद्र बहादुर सिंह शैलेंद्र सिंह जगधारी यादव लाल बहादुर सोनकर पन्ना यादव जगदीश सिंह,मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

विनय पहलवान ने शुभम पहलवान को पटकनी देकर दस हजार का इनाम जीता

प्रखर वाराणसी। सेवापुरी ब्लाक के प्रधानमंत्री आदर्श गांव पूरे में गुरुवार को कुश्ती दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बनारस के विनय पहलवान ने मेरठ के शुभम पहलवान को पटकनी देकर दस हजार रुपए का पुरस्कार जीता इसके अलावा महिला पहलवानो में बनारस की निधि पहलवान ने लखनऊ की तनु पहलवान को पटकनी देकर पांच हजार रुपए का पुरस्कार जीता इसके अलावा लालू पहलवान बनारस तुसार पहलवान मेरठ की चार हजार रुपए की कुश्ती बराबरी पर छूटी जौनपुर के राम सिंह दिव्यांग पहलवान एवं हरियाणा के परविंदर सिंह पहलवान के बीच चार हजार की कुस्ती बराबरी पर छूटी इसके अलावा दो दर्जन पहलवानों की कुश्ती हुई कुश्ती दंगल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्रदेश के आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कुश्ती का उद्घाटन किया। उन्होंने कहां

कि प्रधानमंत्री के सांसद आदर्श ग्राम में यह खेल से जुड़ा दंगल देखकर खुशी हो रही है प्रधानमंत्री जी जिले में राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम का उद्घाटन 23 सितम्बर को करने वाले हैं जिले का नाम पूरे देश में बढ़ेगा।वही विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व मेयर कौशलेंद्र सिंह पटेल रहे महिला पहलवानों की कुश्ती का उद्घाटन भाजपा नेत्री एवं पूर्व लोकसभा प्रत्याशी शालिनी यादव ने किया।वही जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य ने विजेता पहलवानो को पुरस्कृत किया इस।अवसर पर गांव में मेला का आयोजन किया गया जिसमें गांव क्षेत्र के लोगों ने मेले में जमकर खरीदारी किया।इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रदीप पटेल, कोषाध्यक्ष शिवाश्रे पटेल, महामंत्री कासिम अंसारी, राजेंद्र सिंह, प्रधान प्रतिनिधि सुभाष मौर्या, मंडल अध्यक्ष यतीश तिवारी, दिनेश तिवारी, सुनील मिश्रा, अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित', अवनीश कुमार दूबे, प्रकाश कुमार राय, राकेश, राज कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ ने गोद लिये स्कूल को जरूरत का सामान और जरूरतमंद महिला कों दिया सिलाई मशीन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इंटरनेशनल समाजसेवी संस्था इनर व्हील के शताब्दी वर्ष में इनर व्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ की 51वीं चेयरमैन विजिट इलाहाबाद से आई डिस्ट्रिक्ट 312 की चेयरमैन सुषमा अग्रवाल द्वारा भेलूपुर स्थित एक होटल में किया गया` सर्वप्रथम चेयरमैन ने कार्यकारिणी समिति की फाइलों का अवलोकन किया तत्पश्चात सभा में क्लब अध्यक्षा विनीता शर्मा ने चेयरमैन व अन्य का स्वागत किया `आईएसओ रेनू कैला के संचालन में कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ इस शुभ अवसर पर क्लब ने कुछ प्रोजेक्ट किया जिसमें गोद लिए स्कूल में टेबल चेयर एक सीलिंग फैन, एक छात्रा को उसकी साल भर की फीस के साथ एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन दी गई चेयरमैन

द्वारा दिए गए वर्टिकल शेयर में सर्वप्रथम सर्व स्पेशल चिल्ड्रन के अंतर्गत 'एडिंग एबिलिटी 'संस्था के बच्चों के लिए स्पेशल खिलौने व स्टेशनरी दी गई संस्था से आए नीरज त्रिपाठी ने संस्था के कार्यकलाप पर प्रकाश डाला तत्पश्चात सेक्रेटरी खुशबू जायसवाल ने क्लब की रिपोर्ट पढ़ी` क्लब ने अपनी एक वरिष्ठ सदस्या मंजू अग्रवाल को सम्मानित किया क्लब अध्यक्षा विनीता शर्मा ने चेयरमैन व आए अन्य अतिथियों का सम्मान किया पीडीसी सविता मानखंड ने चेयरमैन का परिचय दिया` चेयरमैन ने अपने संबोधन में क्लब द्वारा किए गए कार्य को सराहा व कुछ सुझाव दिए क्लब एडिटर अर्चिता धर ने चेयरमैन द्वारा क्लब न्यूज लेटर रिलीज करवाया` कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट वाइस चेयरमैन आशा अग्रवाल, पीडीसी राधा बिजावत, कुसुम मित्तल, अंजलि अग्रवाल, सविता मानखंड ,अर्चना बाजपेई की मौजूदगी रही` धन्यवाद विज्ञापन उपाध्यक्ष शंपा रक्षित ने दिया,कार्यक्रम में छाया बर्मन, रीता शाह, मिनौती चक्रवर्ती, बीना गुप्ता, पूनम कपूर, रीता श्रीवास्तव, लता बागला, रिचा, देवश्री ,रानी खत्रा माला श्रीवास्तव, इंदु गुलाटी, कमलजीत व वीना आदि क्लब मेंबर्स की उपस्थिति रही।

प्रधानमंत्री के आगमन के उपलक्ष में 95 बटालियन द्वारा एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के सहयोग से आज स्वच्छता अभियान एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रखर वाराणसी। सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौध रोपण के तहत एवं श्री सुरेंद्र चौधरी पुलिस उपमहानिरीक्षक रेंज चंदौली एवं अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन दिशानिर्देश में आज आदित्य नगर स्थित सरदार बल्लभ भाई पटेल पार्क व तालाब में SANSKAR SAINIK SCHOOL व MY CHHOTA SCHOOL के बच्चों और अध्यापक, अध्यापिका के साथ , मेरा माटी मेरा देश अभियान के तहत पूरे पार्क में स्वच्छता कार्यक्रम हुआ,पार्क में पौध रोपण का भी कार्यक्रम हुआ जिसमें कई छायादार व फलदार पेड़ लगाये गये कार्यक्रम के मुख्य अतिथि 95 बटालियन सीआरपीएफ के सहायक कमांडेंट विनोद कुमार सिंह जी, विशिष्ट अतिथि NDRF के अनिल कुमार जी,कार्यक्रम की अध्यक्षता सृजन संस्था के अध्यक्ष व गंगा हरीतिमा के ब्रांड एंबेसडर श्री अनिल सिंह जी ने की, कार्यक्रम का संचालन सौरभ सिंह पटेल जी ने किया,व प्रमुख रूप से सुसुवाही के पार्षद सुरेश पटेल जी, नेवादा के पूर्व पार्षद विनीत सिंह जी, डॉ सुदेशना बशु जी, विजय केजरीवाल जी व बड़ी संख्या में स्कूल के छात्र एव छात्राओं व एन .डी. आर .एफ के जवानों व 95 बटालियन सीआरपीएफ के प्रवीण सिंह ने जवानों के साथ पूरे जोश के साथ भाग लिया, और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गंगा हरीतिमा के ब्रांड एम्बेसेडर श्री अनिल सिंह जी के द्वारा सरदार पटेल जी के मूर्ति के सामने बच्चों एवं NDRF और 95 बटालियन सीआरपीएफ के जवानों व आदित्य नगर के नागरिको को स्वच्छता एवं पौध रोपण के लिए शपथ दिलाया।

समाज सेवी सत्यप्रकाश ने मनाया मलिन बस्ती में अपना जन्मदिन

प्रखर मरदह गाजीपुर। विकासखंड के हरहरी गांव में एक क्षेत्रीय समाजसेवी द्वारा अपने जन्मदिन के अवसर पर नेक पहल की गई ।समाजसेवी ने अपने साथियों के साथ मलिन बस्ती में जाकर न सिर्फ गरीब परिवारों के बच्चों संग अपना जन्मदिन मनाया बल्कि इस मौके पर फल बिस्किट कॉपी पेन के साथ ही केक काटकर खुशियां बांटा। गौरतलब है पृथ्वीपुर ग्राम पंचायत के समाजसेवी सत्यप्रकाश सिंह पप्पू ने अपने 30 वें जन्मदिवस पर हरहरी गांव के मलिन बस्ती में जाकर अपना जन्मदिन मनाया इस अवसर पर उन्होंने प्रत्येक परिवार जनों को फलदार वृक्ष भी दिया और उन्होंने कहा कि देश के आजादी के बाद से आज तक एक ऐसा समाज जिसकी चर्चा सिर्फ और सिर्फ राजनीति के उद्देश्य से किया जाता है लेकिन जो बड़े-बड़े होटलों में पार्टियां करते हैं और विकास की बात करते हैं वह अपने दिल और दिमाग का विकास नहीं करते उन्हें चाहिए कि अपने जन्मदिन की अवसर पर इन मलिन बस्तियों में आए और जिनके बदन पर कपड़े नहीं है जो बच्चे पैसे के अभाव में

पढ़ाई नहीं कर पाते जो परिवार गर्मी और बरसात में खुले आसमान के नीचे अपना जीवन बिताते हैं उनके लिए एक शुभ दिन के अवसर पर कुछ कर सके आज हम इन समाज के सबसे निचले पायदान पर खड़े लोगों के बीच मौजूद होकर अपने आप को बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं मुझे विश्वास है कि धीरे-धीरे यह कारवां बढ़ेगा और लोग बड़े-बड़े होटलों को ना कहते हुए इन मलिन बस्तियों में आकर अपने जन्मदिन के अवसर पर खुशियां बांटने का काम करेंगे इस मौके पर दिन के रागिनी ,भीम ,अर्जुन विश्वनाथ, गुड्डू ,कृष्णा , यशवंत, मेल्हू ,बद्री पांडेय, कैलाश ,संजू ,रीता, समुद्री, बबीता के चेहरे पर खुशी साफ-साफ दिखाई दे रही थी। समाजसेवी के साथ में अनुज कुमार शर्मा ,राम प्रवेश चौहान, विकास राजभर, अखिलेश चौहान मौजूद रहे।

धर्म संघ परिसर में हरि बोल सेवा समिति एवं श्री अग्रसेन सेवा संस्थान द्वारा श्री कृष्ण रासलीला महोत्सव का भव्य आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी संस्थान श्री अग्रसेन सेवा संस्थान तथा काशी की सामाजिक एवं धार्मिक संस्था हरि बोल सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय रासलीला के पांचवें दिन गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग प्रसंग का मंचन किया गया` प्रसंग में एक बार ब्रज के लोग देवराज इंद्र की पूजा के लिए बड़ा आयोजन कर रहे थे यह देख भगवान श्री कृष्ण नंद बाबा से पूछा कि यह आयोजन क्यों किया जा रहा है? तब नंद बाबा ने कहा कि इस पूजा से देवराज इंद्र प्रसन्न होंगे और उत्तम वर्षा करेंगे। इस पर भगवान श्री कृष्ण ने कहा कि वर्ष करना तो इंद्र का काम है उनकी पूजा क्यों करें` अगर पूजा करनी ही है तो गोवर्धन पर्वत की पूजा करना चाहिए, क्योंकि गोवर्धन पर्वत के द्वारा हमें फल और सब्जियां प्राप्त होती हैं और जानवरों

को चारा मिलता है भगवान श्री कृष्ण की बात सभी को पसंद आई और सभी ब्रजवासी लोग इंद्र की जगह गोवर्धन पर्वत की पूजा करने लगे` देवराज इंद्रदेव ने इसे अपना अपमान समझकर क्रोधित हो गए और ब्रज में कहर बरपाते हुए भारी बारिश कराई हर तरफ पानी ही अपनी नजर आने लगा ऐसा दृश्य देखकर ब्रजवासी भयभीत हो गए तब श्री कृष्ण ने कहा कि गोवर्धन की शरण में जो वही हमें इंद्र के प्रकोप से बचाएंगे श्री कृष्ण जी ने अपने बाएं हाथ की उंगली से पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी ब्रजवासियों ने अपने परिवार व पशुओं के साथ गोवर्धन पर्वत के नीचे शरण ली` सात दिनों तक घनघोर वर्षा होती रही परंतु इससे भी ब्रजवासी विचलित नहीं हुए तब इंद्रदेव को ये आभास हुआ कि ये कोई साधारण बालक नहीं है इसके बाद इंद्रदेव शांत हुए आठवें दिन बारिश रुकी और उन्होंने श्री कृष्ण से क्षमा याचना की इसके बाद गोकुलवासियों ने प्रत्येक दिन के आठ पहर के हिसाब से कुल 56 प्रकार के व्यंजन तैयार कर जो श्री कृष्ण जी को पसंद थे छप्पन भोग लगाया` इस अवसर पर रासलीला के संयोजन से जुड़े संतोष कुमार अग्रवाल आढ़त वाले (अध्यक्ष, श्री अग्रसेन सेवा संस्थान), कृष्ण शरण अग्रवाल (संयोजक), अनिल कुमार जैन (संरक्षक, संकल्प संस्था), संतोष जी (कर्णघंटा), सचिन अग्रवाल आढ़त वाले, समित अग्रवाल,अमर कुमार रस्तोगी (महामंत्री, हरि बोल सेवा समिति), श्रीमोहन जी,विवेक अग्रवाल, मोहनचंद्र (सिल्क वाल), आलोक शाह, राजकिशोर अग्रवाल, अनिल बंसल, गिरधर अग्रवाल, दीपक अग्रवाल लायंस, पवन अग्रवाल चैतन्य श्री अनिल बंसल, अजीत मेहरोत्रा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डॉ. वनिता सिंह ने संभाला प्रभारी विभागाध्यक्ष का पदभार

प्रखर जौनपुर। कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में डॉ.वनिता सिंह को प्रभारी विभागाध्यक्ष के पद पर नामित किया है। शुक्रवार को डॉ.वनिता सिंह को विधि संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने कार्यभार ग्रहण कराया। डॉ.वनिता सिंह विभाग की वरिष्ठ शिक्षक हैं और आपके कई शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हैं। इस अवसर पर डॉ.वनिता सिंह ने कहा कि छात्रों की नियमित कक्षाओं का संचालन व छात्र समस्याओं का त्वरित निस्तारण मेरी प्राथमिकता होगी। छात्रों एवं क्षेत्रीय लोगों की मांग पर एल. एल. एम खोले जाने का प्रस्ताव विभाग द्वारा तैयार किया जा रहा है, कुलपति के निर्देश पर प्रस्ताव शीघ्र सक्षम प्राधिकारियों तक भेजा जाएगा। मेरी कोशिश होगी कि विधि संस्थान में एल. एल. एम पाठ्यक्रम भी चलने लगे। मुझे भरोसा है कि हमारे विभाग के सभी शिक्षक मेरे इस कार्य में पूरा

सहयोग प्रदान करेंगे। मेरी कोशिश होगी कि विभाग को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकूँ। विभागाध्यक्ष बनने प्रोफेसर देवराज सिंह,प्रो.अजय द्विवेदी, प्रो.मानस पांडेय, प्रो.नूपुर गोयल, प्रो.अविनाश पाथर्डीकर, डॉ.गिरधर मिश्र, डॉ मनोज मिश्र, डॉ दिग्विजय सिंह, डॉ.श्याम कन्हैया, डॉ.झांसी मिश्रा, डॉ.जाह्नवी श्रीवास्तव , डॉ सुनील कुमार,डॉ पूजा सक्सेना, मंगला प्रसाद यादव, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ प्रियंका कुमारी, श्री प्रकाश यादव, डॉ राजित राम सोनकर, डॉ.अंकित कुमार, डॉ.दिनेश कुमार सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ राहुल कुमार राय,डॉ इंद्रजीत सिंह आदि ने अपनी बधाई प्रेषित की।

संक्षिप्त खबरें

शिक्षकों और छात्रो को दिया गया सीपीआर का प्रशिक्षण

प्रखर पिंडरा वाराणसी। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेबीएस) टीम द्वारा पिंडरा ब्लाक के नेशनल इंटर कॉलेज पिंडरा में शुक्रवार को बालक,बालिकाओं और टीचर्स को कार्डियक पल्मोनरी रिसेक्सिटेशन (सीपीआर) का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सत्र का उदघाटन कॉलेज के प्रिंसिपल रामाश्रय सिंह ने किया। प्रशिक्षण सत्र के दौरान आरकेबीएस टीम ने बताया कि हमारे देश में आज मरने वालों में हार्टअटैक की संख्या अधिक है। इसलिए सभी छात्रों और टीचरों को सीपीआर की ट्रेनिंग लेने की जरूरत पड़ गई है।जिससे हम अपने आस-पड़ोस, विवाह या जिम में अगर किसी को हार्ट अटैक आ जाए तो कम से कम प्राथमिक उपचार दे सकें । इस दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पिंडरा के आरबीएसके टीम डॉ अनिल कुमार, डॉ अनुपम सिंह, डॉ अफरोज अहमद, डॉ दिनेश कुमार गुप्ता ,डॉ प्रदीप कुमार ,रविंद्र चौरसिया और पूनम रही।

एसपी ने ली परेड की सलामी, लगवाई पुलिस कर्मियों की दौड़

एसपी अजय पाल शर्मा ने ली परेड की सलामी, पुलिस लाइन का किया निरीक्षण

प्रखर जौनपुर। पुलिस लाइन में शुक्रवार को आयोजित परेड की एसपी ने सलामी ली। टोलियों में शामिल पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा देने के साथ ही परिसर स्थित विभागीय शाखाओं का निरीक्षण किया। मिली कमियों को तत्काल दूर किए जाने के निर्देश दिए। साप्ताहिक परेड में शुक्रवार को एसपी अजय पाल शर्मा पुलिस लाइन पहुंचे और परेड की सलामी ली। कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस में सबसे अहम है अनुशासन, जो कर्मी अपने अधिकारियों के आदेश का पालन करते हैं। अपने कार्य को बिना किसी स्वार्थ कर्तव्य समझ कर करते हैं। ऐसे पुलिसकर्मी ही भविष्य में अपना व महकमे का नाम रोशन करते हैं। अनुशासित रह कर सफलता प्राप्त की जा सकती है। इसके बाद एसपी ने शाखाओं शस्त्रागार, जीपी स्टोर, पुलिस अस्पताल, कैन्टीन, मेस, यातायात कार्यालय, डायल-112 आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। वहां तैनात कर्मियों से कार्य संबंधी जानकारी लेने के साथ ही आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

गड्ढे युक्त सड़क पर अनियंत्रित होकर पलटा ई रिक्शा, चालक घायल

प्रखर जौनपुर। केराकत मार्ग स्थित धमार्पुर बाजार में गड्ढे युक्त जर्जर सड़क पर एक ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें ई रिक्शा चला रहा चालक घायल हो गया। लाइन बाजार थाना क्षेत्र चौकियां निवासी सुरेंद्र कुमार सिंह शुक्रवार को अपने ई रिक्शा पर कुछ सामान लादकर मुफ्तीगंज के तरफ पहुचाने जा रहा था। जैसे ही वह जौनपुर- केराकत मार्ग पर धमार्पुर बाजार पहुचा तभी सड़क पर बड़े- बड़े गड्ढे के वजह से उसका ई रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया। जिसमें चालक सुरेंद्र कुमार सिंह (40) निवासी चौकियां घायल हो गया। स्थानीय लोगों ने चालक को 108 एम्बुलेंस से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चोरसंड भेजवाया।

विजेता बच्चों को मेडल व प्रमाण-पत्र किया गया वितरण

प्रखर मिजार्मुराद वाराणसी। सेवापुरी ब्लाक के खालिसपुर गांव स्थित जीवा इंटरनेशनल स्कूल में पिछले दिनों सम्पन्न हुए काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव में स्कूल स्तर व ब्लाक स्तर पर विजेता हुए छात्र-छात्राओं को गुरुवार की सुबह स्कूल परिसर में कछवांरोड चौकी प्रभारी अतुल कुमार मिश्रा व पत्रकार व समाजसेवी अभिषेक त्रिपाठी 'सुमित' के हाथों मेडल व प्रमाण-पत्र देकर छात्र छात्राओ को सम्मानित किया गया।चौकी प्रभारी ने कहां की काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव प्रधानमंत्री जी के प्रेरणा से छात्र-छात्राओं के अंदर छुपी हुई प्रतिभाओं को बाहर समाज में लाने का मौका मिला जिससे छात्र छात्राएं बेहिचक अपने प्रतिभा को सबके सामने प्रस्तुत किया।इस अवसर पर स्कूल के प्रबंधक विनोद तिवारी, प्रधानाचार्य रामकुमार अवस्थी, अध्यापकगण प्रमोद विश्वकर्मा, गुरुप्रसाद प्रजापति, अवधेश पांडेय, सुखदेव, विनय समेत आदि लोग मौजूद रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं